E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 54 | प्रयागराज, सोमवार 04 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान बोला-अमेरिका की हर गलत हरकत का कड़ा जवाब देंगे,वो किसी समझौते को नहीं मानता,उसके वादे सिर्फ शगूफा रहते हैं

तेहरान। ईरान के सीनियर मिलिट्री अधिकारी मोहम्मद जाफर असदी ने आशंका जताई है कि अमेरिका के साथ फिर से युद्ध शुरू हो सकता है। ईरान की फॉर्स न्यूज एजेंसी ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह तैयार है और अगर अमेरिका कोई गलत कदम उठाता है, तो जवाब दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका किसी भी समझौते या वादे का पालन नहीं करता। असदी ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों के बयान और कदम ज्यादातर दिखावटी और मीडिया के लिए होते हैं। उनका मकसद पहले तेल की कीमतों को गिरने से रोकना और दूसरा अपनी बनाई हुई मुश्किल स्थिति से बाहर निकलना है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि वे ईरान को किसी भी हालत में परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे, क्योंकि यह पूरी दुनिया की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। इसी वजह से अमेरिका को ईरान के खिलाफ जंग में उतरना पड़ा। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. संसदीय मंजूरी की जरूरत नहीं: ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर कहा है कि उन्हें इसके लिए संसद से इजाजत लेने की जरूरत नहीं है। जो लोग इसकी मांग कर रहे हैं, वे देशभक्त नहीं हैं। 2. ईरान जंग खत्म होने का दावा: व्हाइट हाउस ने संसद को आधिकारिक तौर पर बताया कि ईरान युद्ध अब खत्म हो चुका है। उस इलाके में अभी भी अमेरिकी सेना मौजूद है, इससे फर्क नहीं पड़ता। 3. अमेरिका की चेतावनी: अमेरिका ने कहा कि जो कंपनियां ईरान को होर्मुज से गुजरने के लिए पैसा देती हैं, उन पर अमेरिका पाबंदी लगा सकता है, भले ही वो पैसा चैरिटी के नाम पर ही क्यों न दिया जाए। 4. जहाजों का ट्रैफिक 90फीसदी घटा: होर्मुज में जहाजों की आवाजाही लगभग बंद हो गई है। पहले जहां हर दिन करीब 130 जहाज गुजरते थे, अब सिर्फ 10 से भी कम जहाज जा रहे हैं। 5. ट्रम्प को हमले की ब्रीफिंग: अमेरिका की सेंट्रल कमांड (ण्ङ्ख्रूण्ध्ड्ढ) के कमांडर ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी।दक्षिण लेबनान में हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। पिछले 12 घंटों में इजराइली हमलों में बढ़ोतरी देखी गई है और कई इलाकों में लगातार धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण लेबनान के ऊपर ड्रोन लगातार उड़ रहे हैं और अलग-अलग जगहों पर हमले जारी हैं। चिहिने इलाके में एक बड़ा धमाका हुआ, जिसे इजराइली सेना कंट्रोल्ड डिमोलिशन बता रही है। वहीं अल-तुफाह जिले के अर-रैहान कस्बे में भी जोरदार हमला हुआ, जिसकी आवाज दूर तक सुनी गई। हालात ऐसे बन रहे हैं कि हाल ही में जो लोग सीजफायर के बाद अपने घर लौटे थे, वे फिर से पलायन पर मजबूर हो सकते हैं। ईरान ने शनिवार को कहा कि उसने इज़राइल के लिए जासूसी करने के दोषी दो लोगों को फांसी दी है। ज्यूडिशियरी के न्यूज आउटलेट, मिजानऑनलाइन ने कहा कि यागूब करीमपुर पर इजराइल की मोसाद इंटेलिजेंस एजेंसी के एक अफसर को सेंसिटिव जानकारी भेजने का आरोप था, जबकि नासिर बेकरजादेह ने सरकार और धार्मिक नेताओं के साथ-साथ नतांज के बारे में भी जानकारी भेजी थी। यह शहर एक न्यूक्लियर एनरिचमेंट फैसिलिटी का घर है जिस पर पिछले साल इजराइल और यूएस ने बमबारी की थी। ईरान ने हाल के कुछ दिन में जासूसी और आतंकवादी गतिविधियों के आरोप में एक दर्जन से ज्यादा लोगों को फांसी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान अक्सर बंद कमरे में ट्रायल करता है, जिसमें आरोपी अपने ऊपर लगे आरोपों को चुनौती नहीं दे पाते हैं।

ट्रम्प की चेतावनी- ईरान ने गलती की तो फिर हमला:उनके 14-पॉइंट प्रस्ताव का रीव्यू कर रहे, लेकिन नहीं लगता कि यह स्वीकार्य होगा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि ईरान ने कोई गलती की, तो उस पर फिर से हमले हो सकते हैं। फ्लोरिडा में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अमेरिका फिलहाल मजबूत स्थिति में है, जबकि तेहरान दबाव में है और समझौता करना चाहता है। इसके अलावा ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान की ओर से 14-पॉइंट का प्रस्ताव मिला है, जिसके विस्तृत ड्राफ्ट का इंतजार है। इस नए प्रस्ताव का हम रीव्यू भी कर रहे है। उन्होंने आगे कहा, 'हालांकि, मुझे नहीं लगता कि यह स्वीकार्य होगा। क्योंकि ईरान ने पिछले 47 वर्षों में मानवता और दुनिया के साथ जो किया है, उसकी अभी तक बड़ी कीमत नहीं चुकाई है।'ईरान के 14-पॉइंट प्रस्ताव में कई मुद्दे शामिल- ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह 14-पॉइंट का प्रस्ताव अमेरिका के 9-पॉइंट प्लान के जवाब में भेजा गया है। इसमें 30 दिनों के भीतर सभी मुद्दों के समाधान, भविष्य में हमलों के खिलाफ गारंटी, क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की वापसी, फ्रीज किए गए ईरानी एसेट्स को रिलीज करने, प्रतिबंध हटाने और युद्ध के मुआवजे की मांग शामिल है। इसके अलावा प्रस्ताव में होर्मुज स्ट्रेट को लेकर नया मैकेनिज्म बनाने, अमेरिकी नेवल नाकेबंदी खत्म करने और क्षेत्रीय संघर्षों को समाप्त करने की बात भी कही गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, समझौते के बाद परमाणु कार्यक्रम पर अलग से बातचीत का प्रस्ताव भी रखा गया है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-फिर जंग का खतरा- ईरान के अधिकारी मोहम्मद जाफर असदी ने चेतावनी दी कि अमेरिका से फिर से युद्ध हो सकता है, ईरानी सेना इसके लिए तैयार है। 48 जहाजों ने रास्ता बदला- अमेरिका ने दावा किया कि पिछले 20 दिनों में 48 जहाजों ने उसके दबाव ईरान के बंदरगाहों से हटाकर दूसरी दिशा अपना रास्ता बदला है। होर्मुज खोलने का प्रस्ताव- ईरान के एक सीनियर अधिकारी ने पुष्टि की है कि उनके नए प्रस्ताव में पहले होर्मुज खोलने और अमेरिकी नाकेबंदी खत्म करने की बात है, जबकि परमाणु मुद्दे पर बातचीत बाद में की जाएगी। 16 अमेरिकी ठिकाने डैमेज- सीएनएन की एक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, जंग के दौरान ईरान ने मिडिल ईस्ट 8 देशों में 16 अमेरिकी ठिकानों को नुकसान पहुंचाया है। इनमें से कई इस्तेमाल करने लायक नहीं बचे। क्यूबा पर कब्जा- ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका तुरंत क्यूबा पर कब्जा कर सकता है। अगर ऐसा कुछ होता है, तो यह ईरान के साथ चल रही जंग के बाद हो सकता है।

जर्मन चांसलर ने कहा था- ईरान ने अमेरिका की बेइज्जती की, अमेरिका की प्लानिंग भी बेकार,नाराज ट्रम्प ने 5000 सैनिक वापस बुलाए

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने जर्मनी से करीब 5,000 सैनिक हटाने का फैसला किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह प्रक्रिया अगले 6 से 12 महीनों में पूरी होगी। यह कदम सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच बयानबाजी के बाद सामने आया है।मर्ज ने पिछले महीने एक कार्यक्रम में कहा था कि अमेरिका के पास कोई अच्छी प्लानिंग नहीं है। उसे पता ही नहीं है कि वह इस जंग से बाहर कैसे निकलेगा। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत को टालने में माहिर है और अमेरिका को बिना नतीजे के इस्लामाबाद तक आना-जाना पड़ा। इससे अमेरिका को ईरान के सामने अपमानित होना पड़ा। इससे ट्रम्प नाराज हो गए थे। उन्होंने मर्ज को लेकर कहा कि वे बहुत खराब काम कर रहे हैं। उनको लगता है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना अच्छी बात है। उन्हें हकीकत की समझ नहीं है। जर्मनी में 36 हजार अमेरिकी सैन्य तैनात-बीबीसी के मुताबिक दिसंबर तक जर्मनी में 36,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक तैनात थे। यह संख्या जापान के बाद दूसरी सबसे बड़ी तैनाती है, जहां करीब 55,000 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं।इसके अलावा इटली में करीब 12,000 और ब्रिटेन में लगभग 10,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। जर्मनी में अमेरिकी सैन्य ठिकाने लंबे समय से यूरोप में अमेरिका की रणनीतिक मौजूदगी का अहम हिस्सा रहे हैं। हालांकि, अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच ईरान को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। यूरोपीय देशों ने ईरान जंग में ट्रम्प का साथ देने के लिए कई बार इनकार किया है। जिसके बाद ट्रम्प आरोप लगाते आए है कि यूरोपीय देश केवल कागजी शेर है क्योंकि समय पर वह कभी काम नहीं आते। इसी बीच ट्रम्प ने इटली और स्पेन से भी सैनिक हटाने का संकेत दिया है। उनका कहना है कि ये देश ईरान के खिलाफ अमेरिका का साथ नहीं दे रहे हैं, जिससे नाटो के भीतर मतभेद बढ़ते दिख रहे हैं। पहले भी सैनिक हटाने की कोशिश कर चुके ट्रम्प-राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इससे पहले भी जर्मनी से सैनिक हटाने की बात कर चुके हैं।

ईरान युद्ध के 2 महीने, दुनिया में मंदी का संकट,दावा- अमेरिका ने रु95 लाख करोड़ खर्चे, ईरान में 3,600 से अधिक मौतें-चीन-रूस फायदे में रहे

तेहरान। अमेरिका की ईरान के खिलाफ 28 फरवरी को शुरू हुई जंग को दो महीने हो चुके हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे छोटी और निर्णायक लड़ाई बताया था, लेकिन अब हालात उलट दिख रहे हैं। जंग रुकी जरूर है, पर खत्म नहीं हुई। इस जंग में अब तक ईरान के 3,600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 1,700 से ज्यादा आम नागरिक हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गोरिन्शास ने चेतावनी दी है कि अगर यह संघर्ष लंबा चलता है और तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो ग्लोबल आर्थिक ग्रोथ रेट गिरकर करीब 2फीसदी तक आ सकती है, जिसे आम तौर पर ग्लोबल मंदी माना जाता है। आईएमएफ ने बताया कि जंग से पहले उम्मीद थी कि इस साल वैश्विक महंगाई 4.1फीसदी से घटकर 3.8फीसदी हो जाएगी, लेकिन अब 4.4फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं हार्वर्ड की इकोनॉमिस्ट लिंडा बिल्म्स का अनुमान है कि अमेरिका ने इस युद्ध पर करीब 1 ट्रिलियन डॉलर यानी 95 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं। हालांकि अमेरिकी सरकार ने 25 अरब डॉलर खर्च करने की बात कही है। दूसरी तरफ से इस जंग से चीन और रूस को फायदा मिल रहा है। चीन इस जंग से अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में दिख रहा है। चीन ने पहले ही तेल के भंडार जोड़ रखे थे और वैकल्पिक ऊर्जा पर भी कई दशकों पहले से ध्यान दे रहा था। साथ ही, अमेरिका की छवि कमजोर होने से उसे कूटनीतिक फायदा मिला है। चीन की तेल और गैस कंपनियां भी मुनाफा कमा रही हैं। सीएनएन के मुताबिक, 6 बड़ी कंपनियां इस साल 94 अरब डॉलर तक का फायदा कमा सकती हैं। इसके अलावा इस जंग से रूस की अर्थव्यवस्था को फायदा मिलता दिख रहा है। तेल और खाद की ऊंची कीमतों की वजह से रूस की कमाई बढ़ी है। साथ ही जब तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही थीं, तब अमेरिका ने समुद्र में मौजूद रूसी तेल पर कुछ समय के लिए पाबंदियां ढीली कर दीं, जिससे सप्लाई बढ़ सके, इससे रूस को और फायदा हुआ।अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के मुताबिक, मार्च में रूस की एनर्जी कमाई करीब दोगुनी होकर 19 अरब डॉलर पहुंच गई, जो फरवरी में 9.75 अरब डॉलर थी। एक्सपर्ट- इस जंग में कोई असली विजेता नहीं-ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूट की सीनियर फेलो मेलानी सिसन ने सीएनएन से कहा कि जंग में कोई असली विजेता नहीं है। अमेरिका को भी रणनीतिक फायदा नहीं मिला है। संघर्ष का असर पूरी दुनिया पर दिख रहा है। ईरान, लेबनान और खाड़ी देशों से लेकर भारत तक पूरी दुनिया के लोग इसकी कीमत चुका रहे हैं। ईरान में आम जनता पर सरकार की सख्ती-ईरान की सरकार ने भी अंदरूनी विरोध पर सख्ती बढ़ा दी है। साल की शुरुआत से अब तक 600 से ज्यादा लोगों को फांसी दी जा चुकी है। देश में आठ हफ्तों से इंटरनेट बंद है और अर्थव्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। जिससे नौकरियां जा रही हैं और गरीबी बढ़ रही है। दावा- लेबनान के 15फीसदी इलाके पर इजराइल का कंट्रोल-रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल ने लेबनान के करीब 15फीसदी हिस्से पर कब्जा कर लिया है और वह इस इलाके को बफर जोन के रूप में बनाए रखना चाहता है, जब तक हिजबुल्लाह को कमजोर नहीं कर दिया जाता।

पश्चिम बंगाल के 15 बूथों पर दोबारा वोटिंग,टीएमसी का आरोप-मगराहाट में सुरक्षाबलों ने हमारे कैंप में तोड़फोड़ की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में डायमंड हार्बर के 4 और मगरहाट पश्चिम के 11 बूथों पर शनिवार सुबह 7 बजे से दोबारा मतदान जारी है। इस बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने आरोप लगाया कि मगराहाट के बूथ नंबर 127 पर सुरक्षाबलों ने हमारे कैंप में तोड़फोड़ की और कार्यकर्ताओं से मारपीट की। पार्टी के मुताबिक, यह कैंप नजरा एफपी स्कूल के पास 500 मीटर के दायरे से बाहर लगाया गया था और चुनाव आयोग के नियमों के तहत काम कर रहा था। टीएमसी उम्मीदवार शमीम अहमद ने कहा कि यह स्वीकार नहीं है। वहीं घटना के बाद टीएमसी समर्थकों ने नारेबाजी की। इधर डायमंड हार्बर के फाल्टा में स्थानीय लोगों ने टीएमसी के लोगों पर हमले का आरोप लगाया है। सड़क पर विरोध कर रहीं महिलाओं ने कहा कि हमारे साथ मारपीट की गई है। इधर सुबह 11 बजे तक मगरहाट में मगराहाट में 38.2फीसदी और डायमंड हार्बर में 35.92फीसदी मतदान हो चुका है। वोटिंग शाम 6 बजे तक होगी। पश्चिम बंगाल चुनावों में दोबारा वोटिंग पर केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा- मुझे लगता है कि यह संख्या (15 बूथ) बहुत कम है और फलता पर कोई फैसला नहीं आया है। वहां टीएमसी ने कई ईवीएम बटनों से छेड़छाड़ की थी। खैर वोटिंग जल्दी खत्म होने दें और 4 मई को लोगों का फैसला आने दें, यही सबसे जरूरी बात है।उन्होंने कहा कि राज्य के सीईओ को टीएमसी नेता शशि पांजा ने लेटर लिखा है क्योंकि टीएमसी के दिल में हार का डर बैठ गया है, जिसकी वजह से वे बार-बार ऐसे मुद्दे उठा रहे हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी ने कल से ही विपक्षी पार्टी की भूमिका निभानी शुरू कर दी है। टीएमसी को एहसास हो गया है कि आने वाले नतीजे उन्हें निराश करेंगे और बीजेपी की सरकार बनेगी। जलपाईगुड़ी में 5 सीटों के लिए वोटों की गिनती यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ बंगाल के दूसरे कैंपस में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ होगी। अधिकारियों ने शनिवार को तैयारियों का रिव्यू किया। मालबाजार कॉलेज समेत दोनों काउंटिंग सेंटर पर पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की गई हैं।

ब्रिटिश किंग से मिले न्यूयॉर्क मेयर ममदानी,मुलाकात से पहले कहा था- कोहिनूर भारत को लौटाने बोलूंगा

न्यूयॉर्क। ब्रिटिश किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने बुधवार को न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी से मुलाकात की। यह शाही जोड़ा 9/11 मेमोरियल पहुंचा था जहां उन्होंने 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। खास बात यह है कि इस मुलाकात से कुछ घंटे पहले ममदानी ने कहा था कि अगर उन्हें किंग चार्ल्स से अलग से बात करने का मौका मिला, तो वे कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने की बात उठाएंगे। हालांकि यह साफ नहीं हो पाया है कि इस छोटी बातचीत के दौरान ममदानी ने यह मुद्दा उठाया या नहीं। उनके ऑफिस से भी इस पर तुरंत कोई जवाब नहीं मिला। कोहिनूर वही हीरा है जो ब्रिटेन के शाही ताज में जड़ा है और टावर ऑफ लंदन में रखा गया है। यह 177 साल से ब्रिटेन के पास है। भारत ने ब्रिटेन के सामने कई बार कोहिनूर हीरे पर अपना कानूनी हक होने का दावा किया है। कोहिनूर हीरा 1849 से ब्रिटेन के पास है। द्वितीय एंग्लो-सिख युद्ध में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से सिख साम्राज्य के हारने के बाद अंग्रेजों ने पूरे पंजाब पर कब्जा कर लिया। उस समय सिख साम्राज्य के शासक दलीप सिंह थे, जिनकी उम्र सिर्फ 10 साल थी। युद्ध हारने के बाद अंग्रेजों ने उनसे लाहौर की संधि पर हस्ताक्षर करवाए। इस संधि की शर्तें बहुत सख्त थीं। इसके तहत पंजाब को ब्रिटिश शासन के अधीन कर दिया गया और साथ ही कोहिनूर हीरा भी अंग्रेजों को सौंपना पड़ा। इसके बाद यह हीरा ब्रिटेन पहुंचा और क्वीन विक्टोरिया को दे दिया गया।

दावा- एपस्टीन ने मरने से पहले सुसाइड नोट लिखा था,7 साल से अदालत में सील,जांच एजेंसियों को भी नहीं

सेंड थॉमस। यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के मरने से पहले उसके सुसाइड नोट लिखने का दावा किया गया है। यह कथित सुसाइड नोट पिछले करीब 7 साल से न्यूयॉर्क की अदालत में सील है। इस वजह से इसे अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक एपस्टीन की मौत की जांच कर रही एजेंसियों को भी यह अहम सबूत नहीं मिला। अगर यह नोट सच में एपस्टीन ने लिखा था, तो यह उसकी मानसिक स्थिति के बारे में अहम जानकारी दे सकता था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह नोट जुलाई 2019 में एपस्टीन के साथी कैदी निकोलस टारटाग्लियोने को मिला था। उस समय एपस्टीन जेल में बेहोश हालत में मिला था और उसकी गर्दन पर कपड़ा बंधा हुआ था। उस घटना में उनकी जान बच गई थी। लेकिन कुछ हफ्तों बाद जेल में उनकी मौत हो गई, जिसे मेडिकल अधिकारियों ने आत्महत्या बताया।

टारटाग्लियोने के मुताबिक, इस नोट में लिखा था कि जांच एजेंसियों ने महीनों तक एपस्टीन की जांच की, लेकिन कुछ भी नहीं मिला। नोट में यह भी लिखा था, 'आप मुझसे क्या चाहते हैं, क्या मैं रोऊं? अब अलविदा कहने का समय है।'हालांकि, अमेरिकी जस्टिस डिपोर्टमेंट का कहना है कि उनके पास यह नोट नहीं है, इसलिए वे इसकी पुष्टि नहीं कर सकते।रिपोर्ट के मुताबिक, यह नोट बाद में टारटाग्लियोने के अपने आपराधिक केस का हिस्सा बन गया और एक फेडरल जज ने इसे सील कर दिया। इसी वजह से एपस्टीन की मौत की जांच करने वालों को यह अहम सबूत नहीं मिल पाया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने हाल ही में अदालत से इस नोट को सार्वजनिक करने की मांग की है। इसी बीच, रिकॉर्ड में मौजूद दो पेज की टाइमलाइन बताती है कि टारटाग्लियोने के वकीलों ने इस नोट को असली बताया, लेकिन कैसे, यह साफ नहीं है। जस्टिस डिपार्टमेंट की प्रवक्ता ने कहा कि एपस्टीन केस से जुड़े सभी दस्तावेज जुटाने के लिए एजेंसी ने काफी कोशिश की, जिसमें जेल ब्यूरो और इंस्पेक्टर जनरल ऑफिस के रिकॉर्ड भी शामिल थे। इसके बावजूद यह नोट उनके पास नहीं है।

बच्चे रील बनाने पानी की टंकी पर चढ़े थे,सीढ़ी टूटने से 3 नीचे गिरे,एक की मौत, 2 बच्चों का एयरफोर्स हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू

सिद्धार्तनगर। यूपी के सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी पर 16 घंटे से फंसे बच्चों का एयरफोर्स के एमआई-17 हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया। दोनों को गोरखपुर के एयरफोर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शनिवार को काशीराम आवास कॉलोनी में 5 बच्चे रील बनाने के लिए 60 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़े थे। उतरते वक्त सीढ़ी टूट गई। 3 बच्चे नीचे गिर गए। इनमें से 1 की मौत हो गई, जबकि 2 की हालत गंभीर है। 2 बच्चे रॉड पकड़कर लट गए। फिर धीरे-धीरे टंकी पर चढ़ गए। टंकी के आसपास दलदल होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आईं। हाइड्रॉलिक क्रेन मंगाई गई, लेकिन दलदल के कारण क्रेन टंकी तक नहीं पहुंच पाई। इसलिए 150 मीटर सड़क बनाने का काम शुरू किया गया। देर रात तक करीब 120 मीटर तक सड़क बना ली गई। इस बीच, रात करीब 3 बजे तेज बारिश शुरू हो गई, जिससे काम रोकना पड़ा। हालात देखते हुए प्रशासन ने सेना की मदद मांगी। इसके बाद रविवार सुबह करीब 5.20 बजे एयरफोर्स का एमआई -17 हेलिकॉप्टर घटनास्थल पर पहुंचा। दोनों बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया। 12 साल का बाले सिद्धार्थनगर स्थित काशीराम आवास कॉलोनी में अपने मौसेरे भाई दीपचंद के घर आया था। शनिवार दोपहर करीब 3 बजे वो पड़ोस के गोलू (15), शनि (11), कल्लू (15) और पवन (16) के साथ आवास के पास ही जर्जर पानी की टंकी पर रील बनाने के लिए चढ़ गया। ऊपर थोड़ी देर रुकने के बाद सभी एक-एक करके नीचे आने लगे। तभी अचानक 4 सीढ़ी उतरने के बाद ही जर्जर सीढ़ी टूट गई। इसके चलते बाले, शनि और गोलू नीचे आ गिरे। बाले के ऊपर सीढ़ी का मलबा गिर गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शनि और गोलू घायल हो गए। कल्लू और पवन ऊपर ही फंस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। आनन फानन में लोगों ने गोद में उठाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां बाले को डॉक्टरों को मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद मौके पर डीएम शिवशरणप्पा जीएन और एसएसपी अभिषेक महाजन समेत कई अफसर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य शुरू कराया। मौके पर पोकलेन बुलाकर मलबा हटाया गया। बच्चों तक रस्सी के जरिए खाना और पानी पहुंचाया गया। एयरफोर्स की मदद क्यों लेनी पड़ी-पानी की टंकी के चारों तरफ पानी भरा है। इस वजह से जमीन दलदल जैसी हो गई है। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए गोरखपुर से हाइड्रॉलिक प्लेटफॉर्म क्रेन मंगाई गई। इसमें लिफ्ट लगी होती है, जो सीढ़ी के जरिए 135 फीट ऊंचाई तक जाती है। पहले हाइड्रॉलिक क्रेन का मेन सड़क पर ट्रायल किया गया। इस दौरान उसके लिफ्ट सेंसर में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद लखनऊ से क्रेन मंगाई गई। दूरी ज्यादा होने की वजह से देर होने लगी तो बचाव का अन्य रास्ता पर तलाशा गया। इसके बाद सड़क बनाकर टंकी तक पहुंचने का रास्ता अपनाया गया। जल्द ही 150 मीटर तक सड़क बनाने का काम शुरू किया गया। तीन जेसीबी और एक पोकलेन की मदद से देर रात तक 120 मीटर सड़क तैयार कर ली गई। फिर मौसम खराब हो गया। इसके बाद वायुसेना की मदद मांगी गई। बताया जाता है कि जिस टंकी पर बच्चे चढ़े थे, वो करीब 26 साल से बंद है। जर्जर होने के चलते उसका इस्तेमाल बंद कर दिया गया था। हालांकि, उस पर चढ़ने से रोकने के लिए प्रशासन की तरफ से कोई बोर्ड या सूचना नहीं दी गई थी।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

विशेष प्रवर्तन अभियान 15 मई तक

अवैध मदिरा के निर्माण एवं तस्करी पर अंकुश के लिए तहसीलवार टीमें गठित - डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने शनिवार को कहा कि अवैध मादक पदार्थों के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी की संभावना के दृष्टिगत 01 मई से 15 मई 2026 तक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जाना है। जिसमें अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी तथा अवैध अल्कोहल/शीरा के परिवहन पर अंकुश लगाए जाने हेतु समस्त तहसीलवार टीमों का गठन किया है। जिलाधिकारी ने आबकारी, पुलिस एवं राजस्व प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाकर प्रभावी प्रवर्तन कार्य सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि पूरे जनपद में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाकर अवैध शराब के निर्माण, तस्करी, परिवहन आदि पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। इस कार्य के लिए प्रत्येक तहसील में उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी तथा आबकारी निरीक्षक विशेष रूप से सक्रिय रहेंगे। पूरे जनपद में 6 प्रवर्तन दलों का गठन किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह टीमें पूर्ण निष्ठा एवं गंभीरता से विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान अवैध मदिरा के कार्य में संलिप्त माफियाओं/तस्करों की सूची के अनुसार उनके विरुद्ध स्थानीय पुलिस के सहयोग से नियमानुसार गैंगस्टर/गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत कठोरतम कार्यवाही की जाए तथा उन पर सतत निगरानी की जाए। संदिग्ध वाहनों की सघनता एवं सूक्ष्मता से चेकिंग कराई जाएगी और राष्ट्रीय/राज्य राजमार्ग पर स्थित ढाबों, जहां अल्कोहल के टैंकर प्रायः रूकते है, की भी संघ एवं आकस्मिक जांच कराई जाए। इन टीमों द्वारा जनपद में अवैध मदिरा के संदिग्ध स्थानों/अड्डों पर छापेमारी की कार्यवाही की जाए। आबकारी दुकानों एवं थोक अनुज्ञापनों का निरीक्षण चेकलिस्ट के अनुसार किया जाए। स्टॉक के बारकोड व क्यू0आर0 कोड की सूक्ष्मता एवं सतर्कता पूर्वक स्कैनिंग/जांच की जाए। देशी/विदेशी मदिरा/बियर एवं माडल शाप की फुटकर बिक्री की दुकानों पर ओवर रेट के सम्बन्ध में रैंडम टेस्ट परचेज की कार्यवाही भी की जाए। दुकानों पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरा के सुचारू रूप से निरंतर क्रियाशील रहते हुए रियल टाइम मॉनिटरिंग की उपलब्ध निश्चित की जाए। असेवित क्षेत्रों तथा ऐसे स्थानों जहां पर मदिरा की दुकानें अव्यवस्थित है, वहां पर अवैध कारोबार की सम्भावना को दृष्टिगत रखते हुए सतर्क निगरानी रखी जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश स्तर पर संचालित टोल फ्री नंबर 14405 तथा व्हाट्सएप नंबर 9454466019 का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए ताकि आमजन बिना किसी भय के इन नंबरों पर अवैध मदिरा के निर्माण एवं बिक्री की सूचना दी जा सके। जनपद में विशेष सतर्कता बरती जाए एवं नियमित रूप से रोड चेकिंग कराई जाए जिससे किसी भी दशा में अवैध मदिरा की तस्करी ना हो पाए।

डीएम-एसपी ने तहसील सलोन में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं,सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 55 शिकायतें आयी, 15 मौके पर हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में तहसील सलोन में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।जिलाधिकारी ने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील सलोन में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग 16, पुलिस विभाग 07, विकास विभाग 05, चकबंदी विभाग 04, नगर पंचायत विभाग 10, समाज कल्याण विभाग 05, जिला पूर्ति विभाग 06, विद्युत 01 व लोक निर्माण विभाग 01 कुल 55 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 15 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने भी पुलिस से संबंधित मामलों को सुना और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चंद्रा, उपजिलाधिकारी सलोन चन्द्र प्रकाश गौतम, परियोजना निदेशक डीआरडीए सतीश प्रसाद मिश्रा, तहसीलदार सलोन दीपिका सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, हवन यज्ञ एवं विशाल भंडारे के साथ श्रीमद्भागवत कथा का विश्राम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 के पॉकेट 7 में स्वामी रूपानंद ब्रह्मचारी जी महाराज जी के सानिध्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन कथा व्यास नीलांशु दास जी महाराज ने सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया। सुदामा जी जितेंद्रिय एवं भगवान कृष्ण के परम मित्र थे। भिक्षा मांगकर अपने परिवार का पालन पोषण करते ।

गरीबी के बावजूद भी हमेशा भगवान के ध्यान में मग्न रहते। पत्नी सुशीला सुदामा जी से बार बार आग्रह करती कि आपके मित्र तो द्वारकाधीश हैं उनसे जाकर मिलो शायद वह हमारी मदद कर दें। सुदामा पत्नी के कहने पर द्वारका पहुंचते हैं और जब द्वारपाल भगवान कृष्ण को बताते हैं कि सुदामा नाम का ब्राम्हण आया है।कृष्ण यह सुनकर नंगे पैर दौड़कर आते हैं और अपने मित्र को गले से लगा लेते । उनकी दीन दशा देखकर कृष्ण के आंखों से अश्रुओं की धारा प्रवाहित होने लगती है। सिंघासन पर बैठाकर कृष्ण जी सुदामा के चरण धोते हैं। सभी पटरानियां सुदामा जी से आशीर्वाद लेती हैं।

सुदामा जी विदा लेकर अपने स्थान लौटते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा से अपने यहां महल बना पाते हैं लेकिन सुदामा जी अपनी फूंस की बनी कुटिया में रहकर भगवान का सुमिरन करते हैं।

अगले प्रसंग में शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को सात दिन तक श्रीमद्भागवत कथा सुनाई जिससे उनके मन से मृत्यु का भय निकल गया। तक्षक नाग आता है और राजा परीक्षित को डस लेता है।राजा परीक्षित कथा श्रवण करने के कारण भगवान के परमधाम को पहुंचते है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि विश्राम दिवस पर हवन यज्ञ हुआ जिसमें सभी देवताओं को आहुतियां प्रदान की गईं। कथा के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जो रात्रि 9 बजे से प्रारंभ होकर देर रात तक चला जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। राघवेंद्र दुबे ने कहा है कि धार्मिक आयोजन हमें सत्कर्म करने की प्रेरणा देते हैं साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह कर नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करते हैं। भगवान की भक्ति हमारे दुर्गुणों को नष्ट करती है और सन्मार्ग पर ले जाने का काम करती है। ईश्वर प्रेम और करुणा के सागर हैं वह अपने भक्तों पर सदैव कृपा बनाए रखें। इस मौके पर संयोजक संजीव ढाली, उत्तम चन्द्रा, देव मणि शुक्ल, सुशील पाल, रमेश शर्मा, गोरे लाल, रवि राघव, गुड्डू चौधरी, संजय पांडेय, सर्वेश तिवारी, विष्णु शर्मा, विकास शर्मा, नीरज शर्मा, टोनी कपूर, रमेश वर्मा, निर्मल बिस्वास, गोपाल पाल, असीम मजूमदार, अंगद सिंह तोमर, अनूप सिंह, संतोष बिस्वास, मखन बसु, बाबू सरकार, कनाई लाल, असित बाघ, गोविंद बिस्वास, संजय हालदार, तुषार, प्रेम जी, टोनी ढाली , सुखदेव, शुभमय, विश्वजीत सरकार, अनिमेष मंडल, अनूप शर्मा , विकास कुमार सहित भारी संख्या में सेक्टर वासी मौजूद रहे।

सिरमौर बुद्ध विहार गंगौली (सोइया) में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बुद्ध जयंती समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। सिरमौर बुद्ध विहार सेवा संस्थान गंगौली (सोइया) के तत्वावधान में बुद्ध विहार परिसर में बुद्ध जयंती समारोह हर्षोल्लास के

साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवप्रताप यादव रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ रूदल यादव पूर्व प्राचार्य एवं उच्च शिक्षा आयोग के सदस्य रहे। समारोह की अध्यक्षता श्याम लाल उर्फ भंते धम्म दीप और संचालन रामकिशोर रसीला व रामसमुझ बौद्धाचार्य प्रबंधक बौधिसत्व डॉ भीमराव अम्बेडकर मेमोरियल स्कूल भीमी के प्रबंधक ने संयुक्त रूप से किया। वक्ताओं ने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धम्म उपासक और उपासिकाओं की उपस्थिति रही। कुछ प्रमुख उपस्थित लोगों व वक्ताओं में बौद्धाचार्य राम अभिलाष बौद्ध भीमी धर्मेंद्र बौद्ध इन्द्र पाल गौतम, बासुदेव मौर्य एडवोकेट राम समुझ बौद्ध रामबली राजेश कुमार जियालाल बौद्ध नुवावां नीरज बौद्ध धनाऊ बौद्ध बबलू यादव अर्चना यादव प्रधान प्रतिनिधि गंगौली, पल्टूराम मास्टर सर्वेंद्र अम्बेडकर, फूलचंद्र बौद्ध आर एस चक्रवर्ती शीतला दाढ़ी नागेश्वर नाथ हीरालाल बाबूलाल, रामसमुझ रामदेव अमीन, सचिव रामफल फौजी कोषाध्यक्ष रामटहल उर्फ भंते शीलरतन,विहार के प्रबंधक सुखदेव उर्फ भंते प्रज्ञा मित्र, छोटेलाल, नजरू आशा बौद्ध प्रधान लोहंगपुर श्रीनाथ, व के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक एवं रचयिता बुद्ध चरित मानस प्रबंध काव्य और महामंत्री भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 शाखा जनपद अमेठी आदि रहे। राम कुमार ककवा ने बुद्ध विहार के लिए एक बिजली का पंखा दानस्वरूप भेंट किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारम्परिक रूप से बौद्ध रीति त्रिशरण पंचशील ग्रहण पूर्वक बुद्ध पूजा वंदना से हुई। आये हुए अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया। समारोह में दो सुरक्षा कर्मी भी मौजूद रहे। काफी समय से मीटिंग्स में न आ रहे एक सदस्य आज भी दिखाई नहीं पडे। इनके सहयोगी गण भी समारोह में दिखाई नहीं पड़े।कार्यक्रम का समापन विश्व कल्याण से युक्त पालि गाथा सब्बे सत्ता के सामूहिक संगायन से हुआ। आगंतुकों के लिए भोजन प्रसाद की भी व्यवस्था की गयी थी।

आईएमएस लॉ कॉलेज की छात्रा को लीगल क्विज प्रतियोगिता में मिला प्रथम स्थान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस लॉ कॉलेज की छात्रा तनिषा चौधरी ने विधिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 2026 में प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता लॉ-ट्रोव द्वारा आयोजित की गई। प्रतियोगिता के दौरान तनिषा चौधरी ने अपनी उत्कृष्ट विधिक समझ, त्वरित निर्णय क्षमता एवं ज्ञान का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया और प्रथम रैंक हासिल की। उनकी इस उपलब्धि पर कॉलेज परिवार में हर्ष का वातावरण है। आईएमएस के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने तनिषा चौधरी को इस उल्लेखनीय सफलता पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि संस्थान के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने तनिषा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि मेहनत, लगन और समर्पण से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि तनिषा ने अपनी प्रतिभा और ज्ञान के बल पर यह सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि तनिषा की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है और उन्हें भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। आईएमएस लॉ कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने कहा कि तनिषा संस्थान के रेशियो रेसर्स क्लब की सदस्य हैं और उनकी सफलता संस्थान के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से यह उपलब्धि प्राप्त की है। उनकी इस सफलता से अन्य विद्यार्थी भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित होंगे। वहीं, आईएमएस रेशियो रेसर्स क्लब के संयोजक व्यास कुमार यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि तनिषा की यह उपलब्धि क्लब के लिए गर्व का क्षण है। उनकी सफलता निरंतर अभ्यास, समर्पण और उत्कृष्ट तैयारी का परिणाम है, जो अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेगी।

जिलाधिकारी ने गेहूँ क्रय केन्द्र का किया निरीक्षण,किसानों से अधिक से अधिक गेहूँ क्रय किया जाए - डीएम

किसानों को भुगतान निर्धारित समय के अन्दर खातों में करें हस्तांतरित - डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने विकास खण्ड डीह स्थित गेहूँ क्रय केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेहूँ क्रय केन्द्र पर खरीद कार्य पूरी सतर्कता के साथ प्रभावी तरीके से संचालन किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि गेहूँ क्रय केन्द्रों पर अपनी उपज बेचने में किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हों। किसी भी दशा में गेहूँ क्रय केन्द्रों पर दलाल व बिचौलियां, किसान विरोधी आदि असामाजिक तत्व न दिखाई पड़े। किसानों से गेहूँ खरीद में कोई विलम्ब नही होना चाहिए तथा किसानों को उपज का मूल्य का भुगतान निर्धारित समय के अन्दर उनके खातों में हस्तातरित हो जाना चाहिए। उन्होंने गेहूँ खरीद को बढ़ाये जाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने किसानों के भुगतान आदि के जानकारी ली। जिलाधिकारी ने केन्द्र पर आये कई किसानों से भी गेहूँ खरीद व अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जाना तथा उनके प्रपत्रों को भी देखा। उन्होंने निर्देश दिये कि नमी मापक यंत्र, बोरे, इलेक्ट्रॉनिक कांटा आदि व्यवस्था दुरूस्त रखा जाए। गेहूँ क्रय केंद्र पर व्यवस्थाओं को दुरूस्त करते हुए केन्द्रों पर किसानों से अधिक से अधिक नियमानुसार गेहूँ की खरीद की जाए। उन्होंने कहा यदि केन्द्र पर आवक अधिक है तो रविवार के दिन भी केंद्र पर तौल आदि कराई जाए, जिससे केंद्र पर खरीद अधिक हो सके व किसानों को सहुलियत मिल सके। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन द्वारा निर्धारित गेहूँ समर्थन मूल्य के अनुसार ही किसानों से ज्यादा से ज्यादा गेहूँ क्रय किया जाए एवं केंद्रों पर समुचित व्यवस्था आदि दुरूस्त रखते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही व शिथिलता न बरती जाए। इस दौरान उपजिलाधिकारी सलोन चन्द्र प्रकाश गौतम, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सोनी गुप्ता, तहसीलदार सलोन दीपिका सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

शहर को सुंदर,सुरक्षित और आकर्षक बनाने हेतु नोएडा आई केयर का होगा शानदार आगाज

पहली बार दो हजार वालंटियर करेंगें उदघोष,हम सभी की भागीदारी आओ मिलकर निभाएं अपनी जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मेरा शहर, मेरी जिम्मेदारी स्वच्छ शहर, सशक्त सभ्यता एक साफ़ शहर केवल सुंदरता का प्रतीक नहीं होता बल्कि यह जागरूक नागरिकों, स्वस्थ समाज और सशक्त सभ्यता की पहचान होता है। इसी भावना के साथ नोएडा लोकमंच द्वारा रविवार 3 मई को एमिटी युनिर्वसिटी में नोएडा आई केयर का शानदार आगाज करने जा रहा है इसको लेकर सेक्टर 15 स्थित नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया इस दौरान लोकमंच के महासिचव महेश सक्सेना ने बताया कि छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े बदलाव लाते हैं। यह पहल न केवल शहर की खूबसूरती बढ़ा रही है, बल्कि नागरिकों में सकारात्मक सोच और समाज के प्रति जागरूकता भी उत्पन्न कर रही है। आइए, हम सभी मिलकर अपने शहर को और सुंदर व स्वच्छ,सुरक्षित बनाने में सहयोग करें। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों, कॉर्पोरेट संस्थानों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान अभियान के उद्देश्यों, कार्ययोजना एवं आगामी गतिविधियों पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। महेश सक्सेना ने बताया किनोएडा आई केयर पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, ट्रैफिक प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण, नागरिक जागरूकता एवं सामाजिक सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा। यह अभियान समाज के विभिन्न वर्गों सरकारी संस्थानों, कॉर्पोरेट सेक्टर, एनजीओ, शैक्षणिक संस्थानों एवं आम नागरिकों–को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है। इस अवसर पर नोएडा लोकमंच के अध्यक्ष एवं पहल के सूत्रधार प्रभात कुमार ने कहा कि यह मंच आम नागरिकों को शहर के विकास से जोड़ते हुए जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करेगा।अभियान के प्रमुख सदस्य ऋषि प्रताप सिंह ने बताया किइस पहल के माध्यम से नोएडा को स्वच्छ, सुरक्षित एवं जागरूक शहर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। नोएडा में पहली बार दो हजार वालंटियर एक साथ मिलकर इस पहल का शुभारंभ करेगें कार्यक्रम में कई विशिष्अ अतिथि शामिल होगें।कार्यक्रम में भाग लेने वाले करी एक हजार से ज्यादा वालंटियर रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं बाकी जो आनलाइन रजिस्ट्रेशन नही करा पाएं वो मौके पर करा सकते है। सभी के लिए टी शर्ट की व्यवस्था है आयोजक मंडल की टीम ने बताया कि सभी समय से पहुंचे कार्यक्रम 10 बजे प्रारंभ हो जायेगा। पत्रकार वार्ता के दौरान विनोद पांडेय, ब्रह्मपाल नागर, डॉ. प्रवीण, प्रभाकर , विकास डब्लिस, राजेश्वरी त्यागराजन, एनपी सिंह,रंजन तोमर,पूनम सिंह,सुनीता खटाना,अशोक शर्मा,प्रिंस शर्मा, अमित , दिलीप समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

देवर्षि नारदः सत्य, संवाद और पत्रकारिता के प्रतीक - मुकेश रस्तोगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। देवर्षि नारद जयंती के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश रस्तोगी ने समस्त शहरवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इस दिवस के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस अवसर पर उन्होंने देवर्षि नारद के जीवन, व्यक्तित्व एवं उनके अद्वितीय योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हें सृष्टि का प्रथम पत्रकार बताया। श्री रस्तोगी ने कहा कि देवर्षि नारद भारतीय सनातन परंपरा के ऐसे दिव्य ऋषि हैं, जिन्होंने संचार, संवाद और सूचना के आदान-प्रदान को एक नई दिशा दी। वे तीनों लोकों-स्वर्ग, पृथ्वी एवं पाताल में निरंतर भ्रमण करते हुए घटनाओं, विचारों और सत्य तथ्यों का प्रसार करते थे। उनकी विशेषता यह थी कि वे केवल सूचना के वाहक ही नहीं थे, बल्कि समाज में जागरूकता, संतुलन और धर्म की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। उनके संवाद का उद्देश्य सदैव लोककल्याण, सत्य की स्थापना और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना होता था। श्री रस्तोगी ने कहा कि यदि आधुनिक पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों सत्यता, निष्पक्षता, निर्भीकता और जनहित का अध्ययन किया जाए, तो इन सभी गुणों का सजीव उदाहरण देवर्षि नारद के व्यक्तित्व में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यही कारण है कि उन्हें सृष्टि का प्रथम पत्रकार कहा जाता है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल और सूचना-प्रौद्योगिकी युग में जहां सूचनाओं की गति अत्यंत तीव्र हो गई है, वहीं उनकी सत्यता और विश्वसनीयता बनाए रखना पत्रकारों के लिए एक बड़ी चुनौती है।उन्होंने वर्तमान पत्रकार समाज की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, जो शासन और जनता के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करते हैं।

माध्यमिक शिक्षक संघ ने डीआईओएस विभाग को सौंपा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन,पुरानी पेंशन बहाली, चयन बोर्ड की धारा 18 व 21 वापसी समेत 12 सूत्रीय मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद-सोनभद्र ने शुक्रवार को जिला विद्यालय निरीक्षक के नामित प्रतिनिधि को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष सुनील कुमार राव ने बताया कि जिला संगठन के लेटर पैड पर मुख्यमंत्री को प्रेषित मांग पत्र रजिस्टर्ड डाक से भी अलग से भेजा जाएगा। प्रमुख मांगें: चयन बोर्ड अधिनियम की धारा 18 एवं 21 की वापसी , पुरानी पेंशन की बहाली , वित्तविहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन , 22 मार्च 2016 की राजाज्ञा से आच्छादित एवं विनियमित शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ,. वंचित तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण-अन्य मांगें: एनपीएस कटौती का समुचित रख-रखाव न होने से धनराशि प्रान में प्रदर्शित न होना, एनपीएस से जीपीएफ में आए शिक्षकों की राशि जीपीएफ में जमा न होना, शिक्षकों के लंबित पदोन्नति व चयन-प्रोन्नत प्रकरणों का समय से निस्तारण न होना, अवशेषों का भुगतान न होना, निलंबन-बर्खास्तगी के प्रकरणों को लंबित रखकर उत्पीड़न, अवकाश प्राप्त शिक्षकों के लंबित देयकों व सामूहिक बीमा भुगतान में देरी, मानव सम्पदा पोर्टल पर सेवा अभिलेखों की त्रुटियों में सुधार शामिल हैं।जिलाध्यक्ष सुनील कुमार राव ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का समय से निस्तारण न होने से आक्रोश है। सरकार मांगों पर शीघ्र निर्णय ले। इस मौके पर अमरेंद्र कुमार,संतोष कुमार,राकेश चंद्र शुक्ला,संजय जयसवाल,सतीश कुमार,उपेंद्र कुमार, विनीत कुमार,महेश चंद्र,दिवाकर, प्रेम चंद्र,राकेश मिश्रा, आशुतोष सिंह आदि लोग मौजूद रहें।

न्यूनतम मजदूरी की असमान वृद्धि से आक्रोश,सीएम श्रम सम्मान का वादा पूरा करें,ठेका मजदूर यूनियन ने ओबरा में मनाया मई दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ओबरा, सोनभद्र 2 मई 2026, अनपरा में ईएसआई अस्पताल का निर्माण करना चाहिए, वेज बोर्ड गठन के अपने वादे को पूरा करेंगे लेकिन यह नहीं हुआ। दिवस मनाने पर रोक के लिए प्रदेश के कई जगह किए दमन

नोएडा श्रमिक आंदोलन के बाद उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी में की गई असमान वृद्धि और उसमें भी प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र सोनभद्र के मजदूरों के मिनिमम वेज में की गई मामूली वृद्धि से श्रमिकों में गहरा आक्रोश है। कल शाम ठेका मजदूर यूनियन द्वारा मई दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित मजदूरों ने यह पीड़ा व्यक्त की। मजदूरों ने एक स्वर से मांग की कि प्रदेश में तत्काल वेज बोर्ड का गठन कर न्यूनतम मजदूरी 26000 रुपए करनी चाहिए, ओबरा व मजदूरों को रहने के लिए मुफ़्त आवास और 60 साल पर रिटायर किए जाने वाले ठेका मजदूरों को ग्रेच्युटी का भुगतान करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता ठेका मजदूर यूनियन के जिला अध्यक्ष तीरथराज यादव ने और संचालन संयुक्त मंत्री मोहन प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में श्रमिक नेताओं ने कहा कि मजदूर दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित श्रम सम्मान कार्यक्रम में प्रदेश के मजदूरों को यह उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा श्रमिक आंदोलन के बाद अभी भी सीएम द्वारा प्रदेश के हर औद्योगिक केंद्र की में ईएसआई अस्पताल खोलने, श्रमिकों को आवासीय सुविधा देने, आयुष्मान कार्ड बनाने जैसी घोषणाएं महज जुमला न रह जाए जमीन पर उतरें ऐसी उम्मीद की गई। बैठक में कहा गया कि नोएडा श्रमिक आंदोलन के बाद ट्रेड यूनियन नेताओं और मजदूरों के खिलाफ युद्ध में उतरी योगी सरकार को दमन की नीति से वापस हटाना चाहिए और जिन कारणों से यह श्रमिक असंतोष दिखाई दिया है उसे हल करने का प्रयास करना चाहिए। मई की निंदा करते हुए नोएडा श्रमिक आंदोलन में गिरफ्तार सभी लोगों को बिना शर्त तत्काल रिहा करने का अनुरोध किया गया। बैठक में खनन व क्रशर में लगे हजारों श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा के लिए उन्हें भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत करने की मांग भी एक बार फिर से पूरे जोर से उठाई गई। कार्यक्रम में अरविंद कुमार, लल्लन गुप्ता, नन्हेंलाल, भीखम राम, अवधेश मौर्य, राम विलास, रामकुमार, राम मिशन, अब्दुल हसन, अशोक जैसल, दीपक, विनोद जायसवाल आदि लोगों ने अपनी बात रखी।

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री अभियान की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश,गाँवों में पहुंचकर जनपद स्तरीय अधिकारियों ने फार्मर रजिस्ट्री व अंश निर्धारण की प्रगति का लिये जायजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। ओबरा में लेखपालों के साथ गांवों में भ्रमण कर पंचायत सहायकों एवं अन्य

आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने फार्मर रजिस्ट्री अभियान के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष हो रही फार्मर रजिस्ट्री एवं अंश निर्धारण कार्यों की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अभियान की प्रगति का मूल्यांकन के लिए सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किये कि वे गांवों में जाकर स्वयं स्थलीय निरीक्षण करें तथा अभियान की प्रगति सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री एवं खातेदारों के अंश निर्धारण का कार्य शासन की प्राथमिकता से जुड़ा हुआ है, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी, उन्होंने निर्देशित किया कि सभी जिला स्तरीय अधिकारी संबंधित कार्मिकों द्वारा किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक पात्र किसान का समयबद्ध पंजीकरण हो तथा अंश निर्धारण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण की जाए। इस दौरान उन्होने निर्देशित किया कि निरीक्षण उपरांत विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराएं, जिसमें कार्य की वास्तविक प्रगति, कमियां एवं सुधारात्मक सुझाव अंकित हों। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अभियान को सफल बनाने हेतु सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर लक्ष्य समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी के निर्देश पर शिवद्वार मंदिर परिसर में चला स्वच्छता एवं मरम्मत अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने अनुपालन में आज सफाई कर्मियों की टीम लगाकर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्तर

के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देशानुसार आज शिवद्वार मंदिर परिसर में विशेष साफ-सफाई एवं मरम्मत अभियान चलाया गया। उल्लेखनीय है कि गत दिवस जिलाधिकारी द्वारा मंदिर परिसर का निरीक्षण किया गया था, जहां उन्होंने दर्शन-पूजन करने के पश्चात मंदिर के आसपास की साफ-सफाई, सार्वजनिक सुलभ शौचालय एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिए थेत निरीक्षण के दौरान परिसर में गंदगी एवं शौचालय की खराब स्थिति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी को तत्काल साफ-सफाई सुनिश्चित कराने तथा सुलभ शौचालय की मरम्मत कराने के निर्देश दिए थे। उक्त निर्देशों के पर स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान कूड़ा-करकट हटाया गया, नालियों की सफाई की गई तथा पूरे परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया गया। साथ ही, सार्वजनिक सुलभ शौचालय की मरम्मत का कार्य भी तेजी से प्रारंभ कर दिया गया है। इस पहल से स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं में प्रसन्नता का माहौल देखा गया। लोगों ने प्रशासन के इस प्रयास की सराहना करते हुए स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग का भरोसा जताया। प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि जनहित से जुड़े ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे और लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी के निर्देश पर शाहगंज मार्केट में चला विशेष स्वच्छता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देशानुसार आज शाहगंज मार्केट में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। विदित हो कि गत दिवस जिलाधिकारी द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान शाहगंज मार्केट में व्यापक गंदगी पाई गई थी, जिस पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल प्रभाव से साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी को दिए थे। इन्हीं निर्देशों के क्रम में आज लगभग 100 सफाई कर्मियों की टीम लगाकर शाहगंज मार्केट में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान नालियों की सफाई, कूड़ा-करकट का निस्तारण तथा पूरे बाजार क्षेत्र की विशेष सफाई कराई गई। सफाई कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग भी की गई, जिससे कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो सके।

जिला पंचायत के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के परिणामस्वरूप शाहगंज मार्केट को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया गया। स्थानीय व्यापारियों एवं नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना की और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग का आश्वासन दिया। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि स्वच्छता अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पटवध पेयजल योजना में देरी पर विधायक भूपेश चौबे सख्त,बोले- दिसंबर 2026 तक काम नहीं हुआ तो कंपनी को बना देंगे 'कंपना'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। जल जीवन मिशन के तहत देश की पहली बड़ी परियोजना मानी गई पटवध पेयजल समूह योजना की धीमी रफ्तार पर रॉबर्ट्सगंज विधायक भूपेश चौबे का गुस्सा फूट पड़ा। शुक्रवार को निरीक्षण पर पहुंचे विधायक ने लापरवाह अधिकारियों को कड़ी धूप में खड़ा कर जवाब-तलब किया और चेतावनी दी कि दिसंबर 2026 तक 650 गांवों में पानी नहीं पहुंचा तो कार्यदाई कंपनी को 'कंपना' बना दिया जाएगा।विधायक ने कहा कि

जो अधिकारी योजना में लापरवाही करेंगे उनका 'बोकला' छोड़ दिया जाएगा। यह सिर्फ निरीक्षण नहीं, संदेश था कि जनता की प्यास एसी ऑफिस में बैठकर नहीं समझी जा सकती। अधिकारियों को पसीने छूटते नजर आए। गौरतलब है कि 22 नवंबर 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना का वर्चुअल शिलान्यास किया था। मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मौजूद रहे थे। इसे देश की पहली ऐसी परियोजना बताया गया था। 650 गांवों तक हर घर नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक महज 29 गांवों में ही आपूर्ति हो सकी है। सेंचुरी एरिया से एनओसी में देरी और काम की धीमी रफ्तार ने योजना की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल अधिकारी दिसंबर 2026 तक हर गांव तक पानी पहुंचाने का दावा कर रहे हैं। अब नजर इस बात पर है कि चेतावनी के बाद काम रफ्तार पकड़ता है या लापरवाहों पर कार्रवाई होती है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

क्या आप आउटडोर वर्क करते हैं,खाली पेट धूप में न निकलें,हो सकते हैं ये 10 हेल्थ रिस्क, ऐसे करें हीटवेव से बचाव

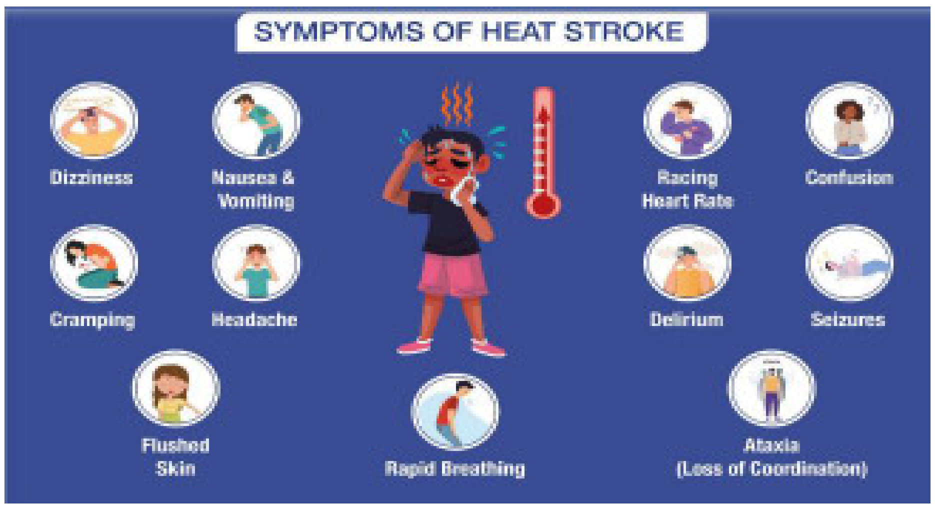

जयपुर। देशभर में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। कई शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। तेज धूप और लू के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। लेकिन ट्रैफिक पुलिस, डिलीवरी बॉय, कंस्ट्रक्शन मजदूर और फील्ड वर्क से जुड़े बहुत से लोग ऐसे हैं, जिन्हें घंटों बाहर काम करना पड़ता है। इससे उन्हें डिहाइड्रेशन, हीट एग्जॉशन और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। अगर सावधानी न बरती जाए तो यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है। 'नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो' (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2000 से 2020 के बीच लू लगने से 20,615 लोगों की मौत हुई। पर्यावरण पर काम करने वाली स्वतंत्र संस्था 'वेडिटम इंडिया फाउंडेशन' की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 से जून 2024 के बीच भारत के 17 राज्यों में हीटस्ट्रोक से 733 मौतें हुईं, जबकि सरकारी आंकड़ों में ये संख्या 360 है। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. रोहित शर्मा, कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- गर्मी के मौसम में तेज धूप में बाहर काम करना खतरनाक क्यों होता है? जवाब- तेज धूप में काम करने से शरीर का 'टेम्परेचर कंट्रोल सिस्टम' बिगड़ जाता है। इससे हीट स्ट्रोक (लू लगना) और डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। सूर्य की हानिकारक किरणें (अल्ट्रावायलेट) स्किन को झुलसा सकती हैं। ज्यादा पसीने से शरीर में जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है, जो चक्कर और बेहोशी का कारण बन सकती है। कई बार ये स्थिति जानलेवा भी हो सकती है। सवाल- आउटडोर वर्कर्स को क्या हेल्थ रिस्क होते हैं? जवाब- तेज गर्मी में लंबे समय तक काम करने से शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है। इससे डिहाइड्रेशन, हीट एग्जॉशन और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। सवाल- क्या गर्मी में आउटडोर वर्किंग हार्ट और किडनी पर भी बुरा असर डाल सकती है? जवाब- हां, हाई टेम्प्रेचर में लंबे समय तक काम करने से शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है। इससे हार्ट पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और डिहाइड्रेशन के कारण किडनी की कार्यक्षमता भी प्रभावित हो सकती है। अगर पानी कम पीते हैं तो इसका खतरा और बढ़ जाता है। सवाल- गर्मी के मौसम में बाहर काम करने वालों को किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए? जवाब- शरीर को कूल और हाइड्रेटेड रखने के लिए पर्याप्त पानी पीना, धूप से बचना और समय-समय पर ब्रेक लेना जरूरी है। सवाल- हीट स्ट्रोक या लू के शुरुआती लक्षण क्या हैं? जवाब- इसकी शुरुआत में व्यक्ति को चक्कर, कमजोरी, सिरदर्द हो सकता है। सभी संकेतों को समय रहते पहचानना जरूरी है,सवाल- लू या हीट स्ट्रोक के रिस्क को कम करने के लिए घर से निकलने से पहले क्या करें? जवाब- इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें-खाली पेट घर से बाहर न निकलें। हल्का और पौष्टिक नाश्ता लें। हाइड्रेटिंग फ्रूट्स (जैसे तरबूज, खरबूज, खीरा) खाएं। छाछ, नारियल पानी/नींबू पानी पिएं। एक बोतल पानी और जरूरी दवाई, ओआरएस साथ रखें। दिनभर के काम की प्लानिंग पहले से करें। अगर मेडिकेशन पर हैं तो डॉक्टर की सलाह लें। रात में पर्याप्त नींद लेना भी जरूरी है। सवाल- काम के दौरान लू लगे तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में घबराएं नहीं। तुरंत उसे धूप से हटाकर ठंडी या छायादार जगह पर ले जाएं। शरीर को ठंडा करने की कोशिश करें। इसके लिए पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स दें। सवाल- गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए कितना पानी पिएं? जवाब- सीनियर कंसल्टेंट डॉ. रोहित शर्मा बताते हैं कि गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए आमतौर पर दिनभर में करीब 3-4 लीटर पानी पीना चाहिए। हालांकि जो लोग धूप में काम करते हैं, उन्हें पसीना ज्यादा आने के कारण ज्यादा पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की जरूरत होती है।सवाल- क्या सिर्फ सादा पानी काफी है? जवाब- पसीने के साथ शरीर से सॉल्ट और मिनरल्स भी निकल जाते हैं। इसलिए सिर्फ सादा पानी पीना पर्याप्त नहीं है। छाछ, नारियल पानी, नींबू पानी या ओआरएस जैसे नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट्स लेना जरूरी है। सवाल- गर्मी में काम करते समय कैसे कपड़े पहनें? जवाब- गर्मी में काम करते समय हल्के रंग के, ढीले और कॉटन के कपड़े पहनने चाहिए। कॉटन पसीना सोखते हैं और शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं। साथ ही सिर को टोपी, कैप या गमछे से ढकना भी जरूरी है। सवाल- वर्क-रेस्ट शेड्यूल कैसे बनाएं? जवाब- ज्यादा मेहनत वाला काम सुबह जल्दी या शाम के समय करें। इस समय तापमान अपेक्षाकृत कम होता है। दिन के सबसे गर्म समय में काम का दबाव कम रखें। बीच-बीच में छोटा ब्रेक लेकर छांव या ठंडी जगह पर आराम करें। सवाल- किन लोगों को खास सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब- गर्मी में बाहर काम करते समय कुछ लोगों को खास सावधानी बरतनी चाहिए-जिनकी उम्र 50 साल से ज्यादा है। जिन्हें हार्ट या किडनी डिजीज है। जो डायबिटिक हैं। जो रेगुलर दवाएं लेते हैं।

सीएसके के कार्तिक ने आईपीएल की अपनी पहली फिफ्टी लगाई,सैमसन कैच छूटने के बाद उसी ओवर में आउट हुए, नूर का नो-लुक सेलिब्रेशन-मोमेंट्स

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2026 के 44वें मैच में मुंबई इंडियंस को 8 विकेट से हरा दिया। यह मुंबई के खिलाफ पिछले 7 मुकाबलों में चेन्नई की छठी जीत है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में कार्तिक शर्मा ने छ्न्ठ का अपना पहली फिफ्टी लगाई। जसप्रीत बुमराह की गेंद पर संजू सैमसन का कैच स्लिप में छूटा और उसी ओवर में संजू विकेटकीपर को कैच थमा बैठे। मुंबई के रायन रिकेल्टन को आउट करने के बाद नूर अहमद ने नो-लूक सेलिब्रेशन किया। पढ़िए बेंगलुरु-गुजरात मैच में बने टॉप-8 मोमेंट्स-
1. डेब्यू पर रामकृष्ण घोष ने शानदार कैच पकड़ा-आईपीएल में डेब्यू कर रहे चेन्नई के रामकृष्ण घोष ने मैच के दूसरे ही ओवर में जबरदस्त कैच पकड़ा। अंशुल कंबोज के ओवर की दूसरी गेंद पर विल जैक्स क्रीज से बाहर निकलकर बड़ा शॉट खेलने गए। गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर बैकवर्ड पॉइंट की ओर गई। आगे दौड़ते हुए घोष ने डाइव लगाकर जमीन से महज कुछ इंच ऊपर गेंद को दोनों हाथों से लपका। 2. कंबोज थ्रो से चूके, रिकेल्टन रन-आउट से बचे-पारी के चौथे ओवर में रायन रिकेल्टन को एक बड़ा जीवनदान मिला। गेंदबाज अंशुल कंबोज की सटीक यॉर्कर को रिकेल्टन ने डिफेंड किया और क्रीज से काफी बाहर निकल आए। कंबोज ने फुर्ती दिखाते हुए गेंद पकड़ी और कीपर छोर पर निशाना साधा, लेकिन थ्रो स्टंप्स पर नहीं लगा। रिकेल्टन ने क्रीज तक पहुंचने की उम्मीद ही छोड़ दी थी। थ्रो न लगने पर कंबोज ने हताशा में सिर पकड़ लिया। 3. आईपीएल में प्रशांत के पहले ओवर में 3 छक्के लगे-चेन्नई के प्रशांत वीर का आईपीएल में उनका पहला ओवर किसी बुरे सपने की तरह रहा। मैच का 5वां ओवर फेंकने आए प्रशांत को रायन रिकेल्टन ने 3 छक्के जड़ दिए। रिकलटन ने तीसरी गेंद पर 76 मीटर का स्लॉग-स्वीप लगाया। फिर अंतिम दो गेंद पर लगातार दो छक्के लगा दिए। 4. दुबे ने नमन धीर का डॉली कैच छोड़ा-मुंबई की पारी के सातवें ओवर में शिवम दुबे ने एक आसान सा कैच छोड़ दिया। ओवर की चौथी गेंद नूर अहमद ने 95 किमी के रफ्तार से डाली। नमन धीर ने बैकफुट पर जाकर कट शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद ने बल्ले का किनारा लिया और शॉर्ट थर्ड मैन पर खड़े दुबे के हाथ में गई, लेकिन दुबे कैच नहीं पकड़ सके। नमन इस समय 19 रन बनाकर खेल रहे थे। 5. नूर अहमद का 'नो-लुक' सेलिब्रेशन-नूर अहमद ने मुंबई के बैटर रायन रिकेल्टन को आउट करने के बाद अजब-गजब सेलिब्रेशन किया। नूर ने सातवें ओवर की चौथी गेंद पर रिकेल्टन को फंसाया। स्लॉग स्वीप खेलने गए रिकेल्टन गेंद को सीधे डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर खड़े उर्विल पटेल के हाथों में मार बैठे। विकेट लेने के बाद नूर अहमद ने अपनी आंखों पर हाथ रखकर 'नो-लुक' सेलिब्रेशन किया। आमतौर पर बैटर्स नो-लुक शॉट्स खेलते हैं। 6. कम्बोज की थ्रो बल्लेबाज के पीठ पर लगी-पहली पारी की आखिरी गेंद के बाद अंशुल कंबोज ने बल्लेबाज को सॉरी कहा। दरअसल, कंबोज ने सटीक यॉर्कर डाली, जिसे मुंबई के बल्लेबाज कृष भगत खेल नहीं पाए। बल्लेबाज तेजी से रन चुराने के लिए दौड़े, इस बीच विकेटकीपर संजू सैमसन ने गेंद कंबोज की ओर थ्रो की। कंबोज ने नॉन-स्ट्राइकर एंड पर रन-आउट करने के लिए निशाना साधा, लेकिन गेंद स्टंप्स पर लगने के बजाय सीधे दौड़ रहे कृष भगत की पीठ पर जा लगी। हालांकि कंबोज ने तुरंत कृष को सॉरी कहा। 7. सैमसन कैच ड्रॉप के बाद उसी ओवर में आउट हुए-चेन्नई की पारी का दूसरा ओवर काफी इवेंटफुल रहा। जसप्रीत बुमराह की पहली गेंद संजू सैमसन के बैट का किनारा लेकर स्लीप में गई, लेकिन विल जैक्स ने आसान कैच छोड़ दिया। इसके बाद बुमराह ने ओवर की आखिरी गेंद बाहर की ओर स्विंग कराई। सैमसन ने कट किया, लेकिन गेंद बैट का बाहरी किनारा लेकर सीधे विकेटकीपर रायन रिकेल्टन के हाथों में चली गई। सैमसन कैच छूटने के बाद सिर्फ 5 रन और जोड़ सके। 8. कार्तिक शर्मा ने आईपीएल की पहली फिफ्टी लगाई-चेन्नई के बल्लेबाज कार्तिक शर्मा ने शनिवार को आईपीएल की अपनी पहली फिफ्टी पूरी की। उन्होंने रनचेज के 18वें ओवर में कृष्ण भगत की पांचवी गेंद पर सिंगल लेकर अपना पचास पूरा किया। इसके बाद अगले ओवर की पहली गेंद पर विनिंग शॉट लगाया। उन्होंने ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर शॉर्ट थर्डमैन के ऊपर से चौका लगाया और चेन्नई को जीत दिलाई।

जवानी में बढ़ रहा नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर,ये संकेत इग्नोर न करें

हेल्दी लिवर के 8 टिप्स

गुरुग्राम। आपका पूरा शरीर तो दुबला-पतला है, लेकिन पेट पर चर्बी चढ़ रही है? गर्दन की मोटाई बढ़ रही है और हर वक्त थकान महसूस होती है? इसे हल्के में मत लीजिए। शरीर में हो रहे ये सारे बदलाव फैटी लिवर का संकेत हो सकते हैं। अब आप ये तर्क दे सकते हैं कि फैटी लिवर तो शराब पीने के कारण होता है और मैं एल्कोहल को हाथ भी नहीं लगाता। तो इसका सीधा जवाब ये है कि फैटी लिवर सिर्फ शराब पीने के कारण नहीं होता। जंक फूड खाने, कोल्ड ड्रिंक पीने और एक जगह पर बैठे रहने जैसी रोजमर्रा की जिंदगी की छोटी-छोटी बुरी आदतें भी इस बीमारी को जन्म दे सकती हैं। 'द लैंसेट रीजनल हेल्थ यूरोप' में पब्लिश रिसर्च के मुताबिक अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस में करीब 2 करोड़ लोग नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर से ग्रस्त हैं, लेकिन 75फीसदी लोगों को इसका पता ही नहीं कि वे जोखिम में हैं। फैटी लिवर डिजीज अब युवाओं को भी तेजी से अपनी चपेट में ले रही है। 'जर्नल ऑफ हेपेटोलॉजी' के अनुसार, दुनिया की करीब 38फीसदी आबादी फैटी लिवर से प्रभावित है, जिनमें लगभग 25फीसदी लोग शराब नहीं पीते। हेल्थ स्टडीज के मुताबिक, शहरी भारत के 30-40फीसदी लोग किसी-न-किसी स्तर की फैटी लिवर समस्या से जूझ रहे हैं।

विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. संजय गोजा, डायरेक्टर, लिवर ट्रांसप्लांट एंड एचपीबी सर्जरी (हेप्टो-पैन्क्रियाटो-बिलियरी), नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज क्या है? जवाब- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज ऐसी कंडीशन है, जिसमें लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो जाता है। इसमें व्यक्ति शराब नहीं पीता, फिर भी लिवर में फैट जमा हो जाता है। यह दुनिया की सबसे कॉमन क्रॉनिक लिवर डिजीज है। यह समस्या अक्सर मेटाबॉलिक गड़बड़ियों से जुड़ी होती है, जैसे- पेट के आसपास चर्बी होना, इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल, सवाल- एल्कोहलिक फैटी लिवर और नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर में क्या अंतर है? जवाब- एल्कोहलिक और नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर दोनों में लिवर सेल्स में फैट जमा होता है, लेकिन दोनों की वजह अलग-अलग होती हैं। एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज- यह समस्या शराब ज्यादा पीने से होती है। शराब लिवर के मेटाबॉलिज्म को नुकसान पहुंचाती है, जिससे शरीर फैट नहीं पचा पाता या बहुत धीरे पचाता है। यह फैट लिवर में जमा होने लगता है। नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज-इसमें व्यक्ति शराब नहीं पीता, फिर भी लिवर में फैट जमा हो जाता है। इसकी मुख्य वजहें इस प्रकार हैं- मोटापा, इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज, हाई ट्राइग्लिसराइड्स, लो फिजिकल एक्टिविटी अगर दोनों में से किसी भी कंडीशन को समय पर कंट्रोल न किया जाए, तो लिवर में इंफ्लेमेशन, फाइब्रोसिस और आगे चलकर सिरोसिस का खतरा बढ़ जाता है।

सवाल- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज के लक्षण क्या होते हैं? जवाब- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज को 'साइलेंट डिजीज' भी कहते हैं। दरअसल, इसके लक्षण अक्सर शुरुआती दौर में नजर नहीं आते। लेकिन जैसे-जैसे समस्या बढ़ती है, शरीर कुछ संकेत देने लगता है, जिन्हें नजरअंदाज करना नुकसानदेह हो सकता है। नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज के लक्षण गंभीर होने पर 'सिरोसिस' का रिस्क हो सकता है। ऐसी कंडीशन में ये लक्षण दिख सकते हैं-शरीर अतिरिक्त पानी जमा करने लगता है। इंटरनल ब्लीडिंग हो सकती है। मसल्स कमजोर हो सकती हैं। कंफ्यूजन या याददाश्त में गड़बड़ी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सवाल- युवाओं में नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर का जोखिम क्यों बढ़ रहा है? जवाब- इसकी सबसे बड़ी वजह लाइफस्टाइल है। आज जीवन में मेहनत कम है और खानपान की आदतें खराब हैं। युवा बाहर का खाना या पैकेज्ड फूड ज्यादा खाते हैं, जिसमें अनहेल्दी फैट, शुगर और कैलोरीज बहुत ज्यादा मात्रा में होती हैं। सवाल- कौन सी आदतें नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज के खतरे को बढ़ाती हैं? जवाब- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज अचानक नहीं होती, बल्कि यह हमारी रोज की कुछ गलत आदतों का नतीजा होती है।

खान-पान से लेकर लाइफस्टाइल तक की कुछ खराब आदतें धीरे-धीरे फैटी लिवर का खतरा बढ़ा देती हैं। सवाल- नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर कैसे डाइग्नोज होता है? इसके लिए कौन से टेस्ट किए जाते हैं? जवाब- यह बीमारी कई बार रूटीन ब्लड टेस्ट या इमेजिंग जांच के दौरान सामने आती है। डॉक्टर बीमारी की पहचान के लिए कुछ खास टेस्ट करवाते हैं। इमेजिंग टेस्टः अल्ट्रासाउंड, सिटी स्कैन या एमआरआई के जरिए लिवर में जमा फैट को देखा जा सकता है। ब्लड टेस्टः ब्लड टेस्ट से यह पता लगाया जाता है कि लिवर सही तरीके से काम कर रहा है या नहीं। लिवर बायोप्सीः इस प्रक्रिया में डॉक्टर एक पतली सुई की मदद से लिवर से टिश्यू का छोटा सा सैंपल निकालते हैं, जिसे माइक्रोस्कोप से जांचा जाता है। इन सभी जांचों की रिपोर्ट्स के आधार पर डॉक्टर फैटी लिवर की कंडीशन और उसकी गंभीरता का आंकलन करते हैं। सवाल- क्या नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर को रिवर्स किया जा सकता है? जवाब- हां, शुरुआती स्टेज में यह पूरी तरह रिवर्स हो सकता है। इसका सबसे प्रभावी इलाज लाइफस्टाइल में बदलाव है। वजन कम करके, हेल्दी डाइट लेकर और नियमित एक्सरसाइज करके लिवर से फैट कम किया जा सकता है।सवाल- अपने लिवर को हेल्दी रखने के लिए क्या करें? जवाब- लिवर हमारे शरीर का सबसे मेहनती अंग है, जो डिटॉक्स से लेकर मेटाबॉलिज्म तक कई अहम काम करता है।

अगर रोजमर्रा की जिंदगी में थोड़ी-सी सावधानी बरती जाए, तो लिवर को लंबे समय तक हेल्दी रखा जा सकता है और फैटी लिवर जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है। लिवर की सेहत को नजरअंदाज करना भविष्य में गंभीर बीमारियों को न्यौता दे सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम आज ही सतर्क हों, क्योंकि लिवर अगर स्वस्थ है, तो पूरा शरीर स्वस्थ है।

फर्जी मामलों में पीड़ित को मुआवजा देना अब जरूरी है

दहेज उत्पीड़न और विवाहिताओं के खिलाफ क्रूरता के मामलों में दो महीने तक गिरफ्तारी पर रोक के लिए सुप्रीम कोर्ट का नया फैसला भी कहीं पुराने फैसलों

की तरह कानून की किताबों में गुम न होकर रह जाए? इसके लिए 5 बिंदुओं पर समझ जरूरी है।1. गिरफ्तारी : जोगिंदर कुमार बनाम यूपी राज्य (1994) के फैसले के अनुसार हिरासत और गिरफ्तारी के लिए पुलिस को अनेक अधिकार मिले हैं। चीफ जस्टिस वेंकटचलैया के अनुसार विवेक का इस्तेमाल किए बगैर मनमाने तरीके से गिरफ्तारी असंवैधानिक और गैर-कानूनी है। 1996 में डीके बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य के फैसले में हिरासत में लिए लोगों के कानूनी अधिकार तय किए गए थे। अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य (2014) के फैसले में हिरासत और जेल को अपवाद कहा गया था। इन फैसलों के अनुसार जारी शासनादेशों का अनुपालन नहीं होने से थानों और अदालतों के चक्कर में करोड़ों परिवार तबाह हो रहे हैं। 2. सुप्रीम कोर्ट : नए फैसले के अनुसार धारा 498-ए के दुरुपयोग को रोकने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के जून 2022 के आदेश के अनुसार जिलों में परिवार कल्याण समितियों का गठन होना चाहिए। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट ने राजेश शर्मा मामले में जून 2017 में एक बड़ा फैसला दिया था। उसके अनुसार धारा 498-ए से जुड़े अधिकांश मामलों में फर्जी तरीके से पति और उसके परिजनों को पुलिस केस में फंसाया जाता है। फैसले में नेशनल लीगल सर्विसेस अथॉरिटी को मार्च 2018 तक रिपोर्ट पेश करने का आदेश था, जिसका 8 साल बाद कोई विवरण नहीं आ रहा। धारा 498-ए के दुरुपयोग को रोकने के लिए 2008 में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार दिल्ली में पुलिस अधिकारियों के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी किए गए थे। ऐसे अनेक पुराने फैसलों पर जब अमल नहीं हो रहा तो अब नए फैसले के बाद जमीनी स्तर पर लोगों को इंसाफ कैसे मिलेगा? 3. संसद से कानून : पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संविधान के अनुच्छेद 142 की विशिष्ट शक्तियों के दुरुपयोग और सुप्रीम कोर्ट के सुपर-संसद बनने पर रोष व्यक्त किया था। अनुच्छेद 141 के तहत सुप्रीम कोर्ट के आदेश अधीनस्थ अदालतों के लिए बाध्यकारी होते हैं। पर उन फैसलों के अनुसार सरकार और संसद ने आईपीसी या बीएनएस और सीआरपीसी या बीएनएसएस की कानून की किताबों में बदलाव नहीं किए। इस संसदीय विफलता की वजह से पुलिस की मनमर्जी के साथ अदालतों में अराजकता बढ़ रही है। 4. जिला अदालतें : अदालतों में चल रहे 5.07 करोड़ मुकदमों में से लगभग 70 फीसदी यानी 3.52 करोड़ आपराधिक हैं। गरीबों को सही मामलों में भी एफआईआर दर्ज कराने के लिए थानों में एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ता है। दूसरी तरफ नेताओं और रसूखदार लोगों के इशारों पर सिविल मामलों में भी फर्जी एफआईआर दर्ज हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट के नए-पुराने फैसलों से साफ है कि पारिवारिक मामलों में फर्जी तरीके से पति और उसके परिजनों को फंसाने का दुश्चक्र चल रहा है। पुलिस की गिरफ्तारी के बाद जिला अदालतों में रूटीन तरीके से आरोपियों को जेल भेज दिया जाता है। जमीन के मामलों में पटवारी की रिपोर्ट और आपराधिक मामलों में पुलिस दरोगा की एफआईआर को अदालतों में अकाट्य मानने के साम्राज्यवादी रिवाज की वजह से आजाद भारत के करोड़ों लोग पीढ़ी-दर-पीढ़ी थाने और अदालतों के धक्के खाने के लिए अभिशप्त हैं। 5. गुजारा भत्ता : सुप्रीम कोर्ट के इस नए फैसले से दो दर्जन से ज्यादा मुकदमे और गुजारा भत्ता की रकम रद्द होने के साथ हाल ही के शिवांगी बंसल वाले मामले में आईपीएस पत्नी को माफीनामा भी देना पड़ा। लेकिन पति और पिता को 100 दिन से ज्यादा जेल में रहना पड़ा, उसकी भरपाई कैसे होगी? कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट में पत्नी ने गुजारा भत्ता के नाम पर 12 करोड़ रुपए, लग्जरी फ्लैट और कार की मांग की थी। लिव-इन रिश्तों को कानूनी मान्यता और स्त्री-पुरुष समानता के दौर में तलाक के कानून को सरल बनाने के साथ गुजारा भत्ता के नियमों को व्यावहारिक बनाने के लिए सात दशक पुराने कानूनों में बदलाव लाने की जरूरत है।डिजिटल इंडिया का समय है। ऐसे में आम जनता के हितों और अधिकारों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के निर्विवाद फैसलों के विवरण का ऐप जारी हो। फैसलों का पालन नहीं करने वाले पुलिस और न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ अवमानना का मामला चलने के साथ प्रशासनिक निलम्बन की कार्रवाई हो। फर्जी तरीके से दर्ज एफआईआर और गैर-कानूनी हिरासत के मामलों में पीड़ित व्यक्ति को मुआवजा मिले। ऐसा होगा तो ही दहेज उत्पीड़न और एससी/एसटी समेत सभी मामलों में कठोर कानूनों के दुरुपयोग पर प्रभावी रोक लग सकेगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं, विराग गुप्ता)

अब भारतीय राजनीति में 'थरूर फैक्टर' के क्या हैं मायने?

पहलगाम हमले के बाद विपक्ष की राजनीति में यदि कोई केंद्र बिंदु बना है तो वो हैं डॉ. शशि थरूर। वे तब सुर्खियों में आए, जब केंद्र सरकार ने उन्हें विश्व मीडिया पर उनके बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। पेशेवर और बुद्धिमान लोगों के साथ ही युवा भी उन्हें सम्मान की नजर से देखते हैं। लोग उन्हें सुनने आते हैं। उनके

की राजधानियों में भेजे जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व सौंपा, जबकि उनकी पार्टी ने उनके नाम की सिफारिश तक नहीं की थी।हालांकि मनमोहन सिंह ने भी कश्मीर पर राउंड-टेबल वार्ता के लिए 2006 में श्रीनगर में एक ऐसे 'सरकारी प्रतिनिधिमंडल' का नेतृत्व किया था, जिसके लिए दूसरी पार्टियों के अध्यक्षों से कोई सुझाव नहीं मांगे गए थे। वास्तव में, सरकार ने तीन और ऐसे कांग्रेस सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है, जो कांग्रेस की ओर से नामित नहीं किए गए थे। इनमें सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी और अमर सिंह हैं। सरकार ने राहुल गांधी की ओर से भेजे गए नामों में से सिर्फ आनंद शर्मा को ही चुना, शेष तीन नाम खारिज कर दिए। यदि थरूर को शामिल नहीं किया गया होता तो कांग्रेस और सरकार के बीच एक ऐसे समय में राजनीतिक मतभेद उभरकर सामने नहीं आए होते, जब सरकार कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की एकजुटता दिखाने की कोशिश कर रही है। थरूर ने निमंत्रण को तुरंत स्वीकारा और उसे अपने लिए 'सम्मान' बताया। उन्होंने कहा कि 'जब देशहित में मेरी सेवाओं की दरकार हो तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।' थरूर ने वैश्विक मीडिया के सामने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत का पक्ष बेहद प्रभावी ढंग से रखा था। केरल से चार बार सांसद रह चुके थरूर एक समय संयुक्त राष्ट्र के महासचिव बनने को लेकर उम्मीदजदा थे। तब उनकी वाकपटुता और सम्प्रेषण-कौशल ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को प्रभावित किया था। कई लोगों का मानना है कि पहलगाम के बाद भारत के पक्ष को थरूर ने इतने बेहतर तरीके से सामने रखा है, जितना कि भाजपा प्रवक्ता भी नहीं कर पाए थे। पिछले कुछ समय से थरूर कांग्रेस आलाकमान की आंख की किरकिरी बने हुए हैं। गांधी परिवार को लगता है कि उन्होंने थरूर की कई बार करियर में आगे बढ़ने में मदद की थी, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में वे पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खरगे के सामने खड़े हो गए। हालांकि थरूर हार गए, लेकिन उन्होंने अपना असर जरूर छोड़ा।वे पार्टी से परे भी अपने प्रशंसक बनाने में सफल रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने नाराजगी जताते हुए यह भी कहा था कि पार्टी ने उनका ठीक से उपयोग नहीं किया है और उनके पास 'दूसरे विकल्प' भी हैं। सोशल समर्थक केरल ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण भारत में देखे जा सकते हैं। उन्होंने अपना यह जनाधार हाईकमान की मदद के बिना तैयार किया है। कांग्रेस में कई नेता अचरज करते हैं कि आखिर थरूर की राजनीति क्या है? कई उनके भाजपा की ओर झुकाव का संकेत भी करते हैं। मोदी सरकार द्वारा थरूर को एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई सौंपने से भी इन अटकलों को बल मिला है। थरूर के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल अमेरिका सहित पनामा, गयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा।मौजूदा हालात में यह साफ नहीं है कि क्या कांग्रेस उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी और अगर हां तो किस आधार पर। केरल में अगले साल चुनाव होने जा रहे हैं, ऐसे में थरूर के खिलाफ कोई भी कदम उठाना कांग्रेस के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है।

केरल ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस अपनी जीत के प्रति आश्वस्त है। वाम मोर्चा वहां पर पिछले दो कार्यकालों से सत्ता में है।यह भी साफ नहीं है कि थरूर आने वाले हफ्तों में क्या करने वाले हैं। क्या वे नई पार्टी बनाएंगे, अलबत्ता यह कभी भी आसान नहीं होता। वे भाजपा या सीपीएम में शामिल हो सकते हैं। लेकिन इसकी भी संभावना बहुत कम है। क्योंकि ऐसा करने पर उनकी वो तमाम राजनीतिक पूंजी नष्ट हो सकती है, जो उन्होंने कमाई है। या क्या वे निर्दलीय सांसद के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं? ये सब अभी अटकलें हैं, लेकिन यह साफ है कि केंद्र सरकार उनका सदुपयोग करना चाह रही है। थरूर भी उम्मीद कर सकते हैं कि सरकार उन्हें ऐसी कोई भूमिका दे, जैसे अभी दी है। किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी, लेकिन थरूर-फैक्टर हमें भविष्य के बदलावों का संकेत जरूर देता है। क्या गांधी परिवार की अवहेलना के बावजूद अपनी जमीन कायम रखने से थरूर को कांग्रेस के अनपेक्षित हलकों से समर्थन दिलाया है? अतीत में कैप्टन अमरिंदर सिंह को भी तो इन्हीं कारणों से लोकप्रियता मिली थी।भाजपा यह साबित करने में तो निश्चय ही सफल हुई है कि कांग्रेस में शशि थरूर जैसे अनेक सक्षम, वाकपटु और अनुभवी नेता हैं, जिनको मौका मिले तो वे गांधी परिवार की तुलना में पार्टी का बेहतर तरीके से नेतृत्व कर सकते हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

एआई आज भी आर्टिफिशियल ही है! इसलिए रियल इंटेलिजेंस की जरूरत है

मैं दो लोगों को जानता हूं- एक जिन्होंने इस मार्च में एआई की मदद से यूरोप और यूएस की पूरी ट्रिप प्लान की। दूसरी उनकी बेटी, जिसने हाल ही में 12वीं की परीक्षा दी और एआई की मदद से ही कॉलेज एडमिशन की योजना बनाई। जाहिर है, अलग-अलग विकल्प देने के मामले में यह टेक्नोलॉजी किसी भी ट्रैवल एजेंट या काउंसलर से ज्यादा तेज थी। इतनी तेजी से और इतने ज्यादा विकल्प देख कर दोनों इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने एआई के अंतिम सुझावों को ही मानने का निर्णय कर लिया। कोर्स और कॉलेजों का चयन कर दोनों ट्रिप पर निकल गए और उन्हें पहला झटका तब लगा, जब वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर उनकी ट्रेन मिस हो गई। डब्ल्यूटीसी स्टेशन असल में एक ट्रांसपोर्टेशन हब है, जहां से न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स जैसे राज्यों के लिए सीधी ट्रेनें मिलती हैं। इन्हें पाथ ट्रेनें कहते हैं। बेटी ने अपने टिकट्स दोबारा चेक नहीं किए थे, इसलिए न सिर्फ उसकी ट्रेन छूटी, बल्कि उसका कनेक्टिंग स्टेशन भी अलग था। एआई ट्रैवल प्लानिंग को लेकर चौतरफा शोर के बीच वह चाहती थी कि अपनी पूरी ट्रिप के लिए एआई के अलावा कहीं और रिसर्च न करे।उसकी सबसे बड़ी गलती यह थी कि उसने यह प्रयोग

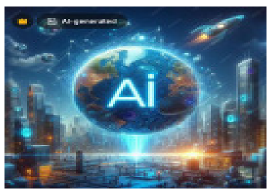

ऐसी जगह के लिए किया, जहां वो पहले कभी नहीं गई। ट्रेन छूटने के बाद जब उसने मुझे स्टेशन से कॉल किया तो मुझे समझ आया कि वो गलत जगह पर खड़ी थी। इससे पहले, उसने होटल भी पैदल जाने का फैसला किया, क्योंकि एआई ने बताया कि टैक्सी महंगी पड़ेगी और होटल सिर्फ 600 मीटर के वॉकिंग डिस्टेंट पर है। लेकिन एआई को यह नहीं पता था कि उस दिन भारी बारिश होने वाली है और भारतीय महज दो सूटकेस ही नहीं, हैंडबैग और लैपटॉप भी साथ रखते हैं। तेज बारिश में सामान लेकर चलते हुए दोनों बुरी तरह भीग गए, जिससे अगले दो दिन उन्हें बुखार रहा और साइटसीइंग के लिए समय ही नहीं मिला। तब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि बेटी के एआई-संचालित कॉलेज एडमिशन काउंसलर की सलाह भी यूएस में कॉलेज चुनने में गलत हो सकती है। फिर उन्होंने पैसे खर्च करके इंसानी सलाह लेने का निर्णय किया। कॉलेज में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को बेहतर गाइडेंस तब मिलती है, जब उसमें इंसान शामिल होता है। क्योंकि काउंसलर बॉट्स की जानकारी को फिल्टर कर छात्रों को सलाह देता है। खासकर, जब उन्हें आवेदन भरने के लिए स्पष्टता की जरूरत होती है। स्कूलों में एआई के इस्तेमाल के समर्थक रह चुके मैसाचुसेट्स स्कूल काउंसलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अली रोबिडॉक्स भी मानते हैं कि छात्रों पर काउंसलर्स का जो प्रभाव होता है, टेक्नोलॉजी उसकी बराबरी नहीं करती। ऐसा इसलिए, क्योंकि इंसान जानता है कि उनकी निजी जीवन की बारीकियों को कैसे समझा जाए। जबकि चैटबॉट सिर्फ छात्रों के अंक औसत देखता है और उन्हें उस देश में ज्यादा कॉम्पीटिटिव कॉलेजों में आवेदन करने के प्रति हतोत्साहित कर सकता है। चैटबॉट्स ऐसे छात्रों की क्षमताओं का आकलन नहीं कर सकते, जो संभवतः घर में किसी के निधन के कारण कुछ अंकों से चूक गए हों। एक काउंसलर के अनुसार 'चूंकि एआई आपको तो जानते नहीं हैं, इसलिए वो सिर्फ आपको वही बताते हैं, जो पब्लिक डोमेन में है।' चैटबॉट्स को बनाने वाली कंपनियां भी इससे सहमत हैं कि ग्रेजुएशन के लिए सही कॉलेज चुनने की प्रक्रिया में विद्यार्थियों को वयस्कों की सलाह जरूरी होती है। हाई स्कूल छात्रों को कॉलेज जाने में मदद के लिए एआई का इस्तेमाल करने वाले प्लेटफॉर्म 'मेनस्टे' के फाउंडर एंड्रयू मैग्लियोज्जी कहते हैं कि 'इस प्रक्रिया में इंसानों का शामिल होना बहुत जरूरी है। क्योंकि एआई अभी भी विकसित हो रहा है।' फंडा यह है कि हम स्पीड और ऑथेंटिसिटी के बीच फंसकर सोचने लगते हैं कि एआई हमसे बेहतर है। फिलहाल एआई के इस्तेमाल का सबसे सही तरीका यही है कि उसकी स्पीड का फायदा लें और फिर अनुभवी इंसानों से कहें कि वह इस जानकारी का विश्लेषण अपनी बुद्धि से करें। एन. रघुरामन

नारियल पानी वालों करो न गुरूर, चाय का है अपना सुरूर

मेरी बेटी को चाय बिलकुल पसंद नहीं। वो सिर्फ कॉफी पीती है। सोचा था, वो बड़ी होगी, कहेगी- मम्मी, एक कप चाय बना दूं? साथ पीएंगे। वो दिन कभी आया नहीं। मेरी नाक के नीचे मेरे खून ने मुझसे ही बगावत कर दी! और अब हमारे घर में एक जंग छिड़ी हुई है- चाय बेहतर या कॉफी? वैसे बचपन में मैंने भी कभी चाय नहीं पी थी, होस्टल में जाकर आदत पड़ी। फिर ऑफिस में 11 बजे और 3 बजे इंतजार रहता था- कब टपरी से बालू आएगा, चाय का घूंट पिलाएगा।मुम्बई में इसे कहते हैं 'कटिंग'- शीशे के एक छोटे ग्लास में जरा-सी चाय आती है। लेकिन आहाहाहा, क्या किक देकर जाती है। पहला सिप मानो अमृत- मीठी, कड़क, अदरक-भरी। थके मन, झुके तन को जगा देने वाला घूंट। बॉस की चिड़चिड़ाहट को शांत करने वाला घूंट। भूत-प्रेत को डरा देने वाला घूंट।यह वो चाय है जिसके सहारे देश का पहिया घूमता है। बूढ़ा और नौजवान झूमता है। लेकिन मेरी बेटी नहीं। उसका मानना है कि कॉफी ही वो एकमात्र ड्रिंक है जिसे पीकर दिन शुरू होता है। चाहे उसे बनाने में आधा दिन निकल जाए। पहले वो कॉफी बीन्स ग्राइंडर में पीसती है, फिर फिल्टर पेपर से सींचती है। इस लंबे-चौड़े प्रोसेस के बाद मिलता है काला पानी, जिसे शौकीन कहते हैं- 'फ्रेश ब्रू'। जी हां, ऐसे ही फैंसी शब्दों से कॉफी ने हमारे जेन-जी का दिल और दिमाग जीत लिया है। एक तो कॉफी शॉप इतनी ठंडी-ठंडी, कूल-कूल। इसकी तुलना में कहां चाय की टपरी का टूटा हुआ स्टूल। स्टारबक्स में कॉफी की इतनी वैरायटी, कि सटक गई चायप्रेमी सोसाइटी। अब तो आंटी-अंकल भी कैप्पुचीनो पीने वहां जाते हैं, लेकिन क्या सचमुच वो आनंद पाते हैं? सबसे बड़ा धोखा यह- चाय के नाम पर 'चाय-लाते'। यह एक ऐसा गंदा ड्रिंक है, जो मैंने पहली बार अमेरिका में पिया और तुरंत फेंक दिया। बचपन में एग्जाम के पहले दूध में नेस्कैफे घोल कर जो अपमान हमने कॉफी का किया, शायद उसी के बदले में गोरों ने 'चाय-लाते' ईजाद किया। खैर, जो भी विदेश गया है, वो जानता है कि बाकी दुनिया चाय के नाम पर कुछ बकवास ही बिक रहा है। अगर आपने रेस्तरां में चाय मंगाने की बेवकूफी की तो आपको मिलेगा गरम पानी और एक टी-बैग। वो टी-बैग एक नाजुक-सी अप्सरा है, जो आपके चाय के कप में दस मिनट के डांस के बाद पानी को हल्का सा भूरा करेगी। बस। उससे भी बदतर है हर्बल टी। भाई, वो तो आप दवाई समझकर पी लो, चाय का नाम क्यों खराब करते हो? वैसे हर्बल कॉफी तो मैंने कभी सुनी नहीं, तो फिर चाय के ही साथ यह बदसलूकी क्यों? और 'ग्रीन टी' ने तो हद ही कर दी। आजकल सरकारी दफ्तरों में भी लोग यही पी रहे हैं, कहते हैं स्वास्थ्य के लिए अच्छी है। असली समस्या आपको बताऊं- चाय पीने वालों में अब एकता नहीं! आप चार लोगों से पूछो- चाय लोगे- तो चार जवाब आते हैं। एक कहता है बिना शक्कर, एक कहता है कम दूध। किसी को मसाला तेज चाहिए, किसी को नो अदरक नो इलायची। भाई, चार कप के लिए चार पतीले कौन चढ़ाएगा? खैर, चाय-कॉफी के वाद-विवाद के बीच एक नया प्राणी प्रकट हुआ है। जो कहता है- नो थैंक यू, दोनों ही जहर हैं। मैं तो सिर्फ नारियल पानी पीता हूं। मतलब वो योगा या हेल्थ फ्रीक, जिसने हम चाय-कॉफी वालों को बुरी आदत पालने वालों का खिताब दे दिया है।

छात्रों को एआई टूल्स से चीटिंग करने से कैसे रोकें?

मैं एक ऐसी महिला को जानता हूं जो लैटर लिखने का काम करती थीं। इससे वो अच्छा कमा लेती थीं। वो आईवी कॉलेजों (हॉर्वर्ड, ऑक्सफोर्ड जैसे प्रतिष्ठित कॉलेज) में दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों के लिए 'लेटर ऑफ पर्पस' (एलओपी) लिखती थीं। वो उनमें से थी, जिनके पास दोस्तों तक के फोन उठाने का वक्त नहीं होता था, खासकर भारत में हाई स्कूल के रिजल्ट के बाद। उनका रिकॉर्ड था कि उनके किसी भी स्टूडेंट का आईवी कॉलेज में आवेदन निरस्त नहीं हुआ। वो छात्रों का व्यक्तिगत साक्षात्कार करतीं, उन्हें समझतीं, फिर एलओपी तैयार करतीं। इसके अलावा, छात्रों को दो घंटे की व्यक्तिगत कोचिंग देतीं कि इंटरव्यू में कैसे पेश आएं, संभावित सवाल क्या हो सकते हैं। असल इंटरव्यू से चंद घंटे पहले पर्सनल कोचिंग फिर दोहरातीं। ताज्जुब की बात नहीं कि उनकी फीस भी बहुत थी। दरअसल, जो भी स्टूडेंट दुनिया के अच्छे कॉलेजों में दाखिला लेना चाहते हैं, उन्हें दमदार एलओपी जमा करना होता है, उसके आधार पर कॉलेज

एडमिशन तय करता है। पर 2025 में वो बेरोजगार हो गईं! कल रात एक डिनर पर मेरी उनसे मुलाकात हुई और उन्होंने इस बारे में बताया। जब मैंने आश्चर्य व्यक्त किया, तो उन्होंने फीकी हंसी में कहा, 'ओपनआई के चैटजीपीटी ने मेरी नौकरी छीन ली है। साल 2022 के नवंबर से इसने धीरे-धीरे मेरी नौकरी छीनना शुरू कर दिया, लेकिन मैंने तब इस पर ध्यान नहीं दिया। और अब 2025 में, मेरे पास छात्र नहीं आ रहे। अब केवल वही छात्र आते हैं, जिन्हें कॉलेजों ने खारिज कर दिया है और मुझे उन्हीं स्टूडेंट्स को किसी अन्य यूनिवर्सिटी में दाखिला दिलाने के लिए दोगुनी मेहनत करके प्रशिक्षित करना पड़ रहा है।' उनके साथ हुई बातचीत ने मुझे कई कॉलेज के प्रोफेसरों के साथ हुई चर्चाएं याद दिला दी। उन प्रोफेसर्स ने ये माना कि तकनीक से छेड़खानी के मामले में उम्रदराज प्रोफेसर छात्रों से एक कदम पीछे रहते हैं। उनका कहना है कि 'निबंध लेखन, होमवर्क, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और पीपीटी में भी चीटिंग का पता लगाना मुश्किल होता है।' यहां तक कि छात्रों के आर्टफिशियल तरीके से तैयार कंटेंट को टूल्स का इस्तेमाल करके भी पहचानना मुश्किल हो रहा है। प्रोफेसर्स दुखी होकर कहते हैं, जब स्टूडेंट्स अपना मुंह खोलते हैं और अंग्रेजी में बात करते हैं, जो कि पहले ही वह अपने प्रोजेक्ट में लिख चुके हैं, तब जाकर हमें पता चलता है कि प्रोजेक्ट में इस्तेमाल कंटेंट टेक्नोलॉजी की मदद से कॉपी किया गया है। इस बीच`ल्ूब्र्.म्दर् के एक सर्वे से पता चला है कि 89इ कॉलेज छात्र असाइनमेंट पूरा करने के लिए चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं। इस तकनीक का उपयोग करने वाले छात्रों की इतनी बड़ी संख्या के बावजूद, उनमें से 72फीसदी कहते हैं कि वे नकल पर आधारित शिक्षा नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि चैटजीपीटी को कैंपस में बैन किया जाए। तो, क्या किया जा सकता है? कई विशेषज्ञों ने कई सुझाव दिए हैं, लेकिन शीर्ष पांच बिंदु हैं: 1. उन शैक्षणिक तरीकों की ओर लौटें, जो सदियों से शिक्षकों का साथ देते आ रहे हैं। 2. विश्वविद्यालयों को मूल्यांकन के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। 3. प्रोफेसर्स को कक्षाओं में बातचीत का कल्चर फिर खड़ा करना होगा। उच्च शिक्षा के लिए मौखिक संचार हमेशा से अच्छा मॉडल रहा है। अलग-अलग स्ट्रीम के स्टूडेंट्स के बीच डिस्कशन होगा, तो तार्किक परिचर्चाएं विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र में होंगी। 4. छात्रों को प्रश्न पूछने-आइडिया शेयर करने दें, इससे कक्षाएं सार्थक होंगी। 5. उन्हें सिखाएं कि पैसे कैसे कमा सकते हैं। कुछ लोग इस पर आपत्ति कर सकते हैं। पर बता दूं कि जब क्रिकेटर आठ अंकों में कमाता है, तो केवल कक्षा का सैद्धांतिक ज्ञान उन्हें पीछे छोड़ देता है। इसलिए शुद्ध ज्ञान से नैतिक रूप से पैसे कमाने को प्रोत्साहित करें। फंडा यह है कि जो छात्र बिना किताबें पढ़े क्विज में टॉप करता है, उसने कुछ नहीं सीखा होता। तकनीक पर निर्भर छात्र न केवल ज्ञान हासिल करने में विफल होते हैं, बल्कि रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच की क्षमताओं का भी विकास नहीं कर पाते। छात्रो, ये आपका चुनाव है कि आपका मार्गदर्शक कौन होगा- प्रोफेसर या तकनीक? इस पर विचार करें।

किसी पर रहम, किसी को सजा- ये कैसा 'तंत्र' है!

कुछ सप्ताह पहले मैंने 'माय नेम इज रहीम खान' शीर्षक से एक वीडियो-ब्लॉग प्रसारित किया था, जिसमें बताया गया था कि आज एक भारतीय मुसलमान होने का क्या मतलब है। इसके बाद तत्काल ही मैं दक्षिणपंथियों के निशाने पर आ गया। मुझ पर आरोप लगाया गया कि बढ़ते अपने विचार व्यक्त किए थे। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों के पाखंड पर सवाल उठाया था। उन्होंने लिखा था कि मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि बहुत से दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल कुरैशी की तारीफ कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें इतने ही स्वायत्तता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाली बातों के तौर पर देखा जा सकता है? या क्या इसे किसी महिला की गरिमा का अपमान करने वाला कृत्य कहा जा सकता है? सरकार की आलोचना कब से इस हद तक एक अपराध हो गई कि भाजपा युवा मोर्चा के एक कार्यकर्ता

इस्लामिक चरमपंथ की समस्या से बचने के? लिए मुस्लिम-विक्टिमहुड का झूठा चित्रण कर रहा हूं। लेकिन आज सोचने पर लगता है कि शायद मेरे उस ब्लॉग का शीर्षक 'माय नेम इज अली खान महमूदाबाद' होना चाहिए था। फेसबुक पर टिप्पणी के लिए अशोका यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी बताती है कि हमारे राजनीतिक-तंत्र में क्या गलत है, जो भारतीय मुसलमानों को हाशिए पर धकेल रहा है। उनका अपराध यह था कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर पुरजोर तरीके से यह मांग भी करनी चाहिए कि मॉब लिंचिंग, बुलडोजर और नफरत फैलाने वाली राजनीति के शिकार होने वाले दूसरे लोगों को भी भारतीय नागरिकों की भांति सुरक्षा मिले।ऐसा लिखकर अली खान यह बताना चाह रहे थे कि कर्नल कुरैशी को धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक बताने और धरातल पर भारतीय मुसलमानों के खिलाफ बढ़ते भेदभाव के बीच कितना अंतर है। क्या इस टिप्पणी को भारत की सरपंच की शिकायत पर तत्काल गिरफ्तारी हो जाए या हरियाणा

महिला आयोग नोटिस भेज दे? महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया से जब एक टीवी इंटरव्यू में यह पूछा गया कि अली खान ने किसी महिला की गरिमा का हनन कैसे किया है तो उनके पास इसका कोई तार्किक स्पष्टीकरण नहीं था। यह साफ है कि अन्य 'सरकारी' संस्थानों की तरह महिला आयोग ने भी आधिकारिक निर्देशों पर जल्दबाजी में नोटिस भेज दिया था। इसमें दिल्ली पुलिस भी शामिल थी। इस मामले ने कई परेशान करने वाले सवाल खड़े किए हैं। जैसे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश के? लिए सत्ता का दुरुपयोग। यह इस तरह का इकलौता मामला नहीं है। चाहे किसी भी दल की सरकार हो, वह असहमति के स्वरों को दबाने के लिए इसी तरह से अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करती है। याद करें कि कैसे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के बारे में सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक अपमानजनक पोस्ट शेयर करने पर मराठी अभिनेत्री केतकी चिताले को 2022 में गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा था। और कैसे द्रमुक सरकार ने तब चुप्पी साध ली थी, जब एक 'समूह' ने सत्ताधारी पार्टी के मुखर आलोचक और यूट्यूबर सुवुक्कू शंकर के घर में गंदगी फेंक दी थी। और कैसे कोलकाता के एक प्रोफेसर पर ममता बनर्जी का कार्टून फॉरवर्ड करने के आरोप लगाए गए थे और उन्हें गिरफ्तारी के 11 साल बाद जाकर रिहा किया गया था।एक मायने से भारतीय राजनीतिक तंत्र ने युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन के इस कथन को अपना लिया है कि 'बोलने की आजादी तो है, लेकिन बोलने के बाद आजादी की गारंटी नहीं है!' हालात ऐसे बन गए हैं कि कौन कानून के दायरे में आएगा और कौन नहीं, यह भी आज पूरी तरह से सत्ता-कुलीनों की निजी धारणाओं के अधीन हो गया है। अली खान प्रकरण की तुलना मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह से

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग,एसी में ब्लास्ट की आशंका, 9 की मौत-कुछ के सिर्फ कंकाल मिले,10 से 15 लोग बचाए गए

नयी दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा इलाके के विवेक विहार में एक चार मंजिला बिल्डिंग में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 पुरुष, 4 महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल है। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 3.47 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। 4 घंटों की मशक्कत के बाद सुबह करीब 8 बजे आग पर काबू पाया गया। बिल्डिंग के अंदर फंसे 10 से 15 लोगों को बचाया गया। इनमें दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों के शव बिल्डिंग के अलग-अलग फ्लोर से बरामद किए गए। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि कुछ शव इतने बुरे तरह जल चुके हैं कि सिर्फ कंकाल बचा है। डीएनए टेस्ट के बाद ही मृतकों का पता चल पाएगा। हादसे को लेकर कुछ लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि एसी में धमाके के बाद आग फैली।

फिलहाल अधिकारियों की तरफ से असली कारण की पुष्टि नहीं हुई है। 9 मृतकों के नाम सामने आए, लेकिन पहचान मुश्किल-दिल्ली पुलिस के अनुसार, बिल्डिंग के पहले फ्लोर से 1 शव, दूसरे फ्लोर से 5 शव और सीढ़ियों से 3 शव मिले, जहां दरवाजा बंद था। आशंका है कि लोगों ने छत पर भागकर जान बचाने की कोशिश की थी। दूसरे फ्लोर पर मिले मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ साल के पोते आकाश जैन के रूप में हुई। तीसरे फ्लोर पर नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैले जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) मृत पाए गए। पहले फ्लोर पर शिखा जैन (45) का शव मिला, जबकि उनके पति नवीन जैन (48) घायल हो गए। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि उन्होंने मृतकों के शव देखें हैं। इनमें कौन से शव पुरुष के हैं और कौन सी महिला के, इसकी पहचान करना भी मुश्किल है। बिल्डिंग के पिछले हिस्से से ज्यादातर शव मिले- दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी मुकेश वर्मा ने बताया कि चार मंजिला बिल्डिंग के हर फ्लोर पर दो 4बीएचके फ्लैट हैं। आग बिल्डिंग के पिछले हिस्से में लगी थी और वहीं सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। 6 फ्लैट्स का सामान जल गया। डीएफएस के मुताबित, खिड़कियों और बालकनी पर ग्रिल और लोहे की रॉड लगी थीं, जिससे रेस्क्यू में दिक्कत आई। फिर भी करीब 15 लोगों को बचाया। इनमें से एक व्यक्ति करीब 30इ तक जल गया था, जिसे इलाज के लिए गुरु तेग बहादुर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।दिल्ली से सटे गाजियाबाद में 29 अप्रैल की सुबह एक 15 मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई थी। आग गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी के टावर-डी में 9वें फ्लोर पर लगी। देखते ही देखते आग ने 7 मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। आग इतनी भीषण थी कि धुएं का गुबार करीब 5 किमी दूर से दिखाई दे रहा था। गनीमत रही कि फ्लैट में रहने वाले लोग किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकल आए। सीढ़ियों से नीचे की ओर भागे। अपना घर जलते देखकर महिलाएं फूट-फूटकर रो पड़ीं। राजस्थान के अलवर के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 29 अप्रैल को ही एक आर्टिगा कार आग का गोला बन गई। चलती कार में आग लगने से 6 लोग जिंदा जल गए थे। आग इतनी भयानक भी कि 5 लोगों को हडिड्यां तक पिघल गईं। मृतकों में मध्य प्रदेश के श्योपुर के रहने वाले एक ही परिवार के 5 लोग थे। सभी वैष्णो देवी के दर्शन कर लौट रहे थे।

पुणे में 4 साल की बच्ची से रेप और हत्या-65 साल का आरोपी गिरफ्तार-सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने 4 साल

की बच्ची से रेप के बाद पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने 65 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्ची पुणे के भोर तहसील में रहने वाली अपनी नानी के यहां गर्मी की छुट्टियां बिताने आई थी। भीमराव कांबले (आरोपी) शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर के पास बने तबेले में ले गया। वहां बच्ची से रेप करने के बाद उसकी हत्या कर दी। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी (एसपी) नेता अनिल देशमुख ने मामले में आरोपी के लिए फांसी और मामला की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने की मांग की थी। इसके बाद महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराएगी और अपराधी के लिए फांसी की मांग करेगी। तबेले से मिला बच्ची का शव काफी देर तक बच्ची घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।

कुछ लोगों ने तबेले में भी बच्ची को तलाशा तो उसका शव बरामद हुआ। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की तलाश की तो एक फुटेज में आरोपी बच्ची को तबेले की ओर ले जाता हुआ नजर आया। पुलिस ने तुरंत भीमराव कांबले को हिरासत में ले लिया।

फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। सुप्रिया सुले बोलीं-घटना मानवता को कलंकित करने वाली-एनसीपी (एसपी) नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने आरोपी को कठोर से कठोर सजा देने की मांग की।

उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद शर्मनाक और मानवता को कलंकित करने वाली है। शिवसेना की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाइना एनसी ने कहा कि इस दरिंदगी समाज के लिए बड़ा सवाल खड़ा करती है। इस घटना को लेकर लोगों में भारी गुस्सा है।

यह सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि एक मासूम के खिलाफ सबसे क्रूर अत्याचार है। घटना के बाद गांव के लोगों ने शुक्रवार रात विरोध प्रदर्शन किया और मुंबई-बेंगलुरु हाईवे पर चक्काजाम कर दिया।

पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया है कि इस मामले में 15 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी।

मैहर में लॉज,होटल, यात्री निवास,एवं धर्मशालाओं की व्यवस्था, पार्किंग,दस्तावेज,कैमरा आदि की होनी चाहिए न्यायसंगत जांच-रवींद्र सिंह (मंजू सर)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। ज्ञात हो मध्यप्रदेश के जिला मैहर में स्थित त्रिकूट पर्वत में विराजमान मां शारदा धाम, जो कि

देश के प्रमुख शक्ति पीठों में शामिल है और जहां प्रतिदिन हजारों लाखों श्रद्धालु दर्शन हेतु पहुंचते हैं,। मां के धाम में व्यवस्थाओं को लेकर कुछ गंभीर सवाल उठने लगे हैं। जैसा कि ज्ञात हो नवरात्रि जैसे अवसरों पर यहां लाखों श्रद्धालुओं का आगमन होता है।तीर्थ क्षेत्र में बढ़ती भीड़ के साथ-साथ होटल, लॉज, यात्री निवास और धर्मशालाओं की संख्या में भी तेजी से वृद्धि हुई है।किन्तु इन व्यवस्थाओं में पार्किंग, दस्तावेज़ सत्यापन तथा निर्माण मानकों को लेकर कुछ जगहों पर अनियमितताओं की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय स्तर पर यह मांग उठ रही है कि सभी आवासीय प्रतिष्ठानों में समुचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे तीर्थ क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।विशेष रूप से पर्व काल में अनियंत्रित पार्किंग और भीड़ से श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।उपरोक्त जगहों पर ठहरने वाले यात्रियों के पहचान दस्तावेज़ों का विधिवत सत्यापन हो तथा सभी प्रतिष्ठान एक समान नियमों का पालन करें।सूत्रों के अनुसार कुछ जगहों पर संपूर्ण दस्तावेज नियमावली को पूर्ण करते है किंतु कुछ अवैध कई मंजिल बिना मापदंड के बने हुए है।सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न इन भवनों के निर्माण एवं संचालन से जुड़े नियमों का है। क्या सभी होटल एवं धर्मशालाएं निर्धारित मापदंडों–जैसे अग्नि सुरक्षा, स्वच्छता, भवन अनुमति एवं नगर नियोजन नियमों–के अनुरूप निर्मित हैं? इस विषय में पारदर्शिता की आवश्यकता महसूस की जा रही है।ज्ञात हो कि मां शारदा धाम का प्रबंधन एक प्रशासनिक समिति के अधीन संचालित होता है, एवं संपूर्ण जिला मैहर जिला प्रशाशन के अधीन संचालित होते है।तीर्थ क्षेत्र में व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने हेतु उत्तरदायी होते है।इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए मैहर की धरा के आम जन मानस का अनुग्रह है कि–मैहर क्षेत्र के सभी होटल, लॉज, यात्री निवास एवं धर्मशालाओं की निष्पक्ष, व्यापक और न्यायसंगत जांच कराई जाए, ताकि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और तीर्थस्थल की गरिमा बनी रहे।

राजस्थान में आंधी-बारिश से 3 मौतें,यूपी में ओले गिरे-देहरादून में दिन में अंधेरा छाया,4 शहरों में तापमान 44डिग्री पार

लखनऊ। यूपी, बिहार, हरियाणा और उत्तराखंड समेत देश के कई राज्यों में रविवार सुबह से

बारिश हो रही है। राजस्थान के जयपुर और आसपास के इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। शनिवार को जयपुर, टोंक और अजमेर में 3 लोगों की आंधी-बारिश से मौत हो गई थी। उत्तराखंड के देहरादून में सुबह से तेज बारिश हो रही है। बारिश से पहले पूरा शहर काले घने बादलों से घिर गया। इससे दिन में शाम जैसा माहौल हो गया। हरियाणा के अंबाला में भी बारिश हुई, जिससे कई कॉलोनियों में पानी भर गया है। देश के कई शहरों में अब भी हीटवेव की स्थिति है। महाराष्ट्र का वर्धा 44.5डिग्री तापमान के साथ देश में सबसे सबसे गर्म रहा। चंद्रपुर में 44.4डिग्री पारा रहा। राजस्थान के जैसलमेर में 44.4डिग्री और बाड़मेर में 44.3डिग्री तापमान दर्ज किया गया। 4 मईः-जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और केरलम में बारिश होगी। बंगाल, असम, मेघालय और सिक्किम में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। पश्चिमी राजस्थान में लू का अलर्ट है, वहीं तमिलनाडु पुडुचेरी में उमस भरा मौसम रहेगा।5 मईः-मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, झारखंड, बंगाल, दक्षिण कर्नाटक में आंधी बारिश का यलो अलर्ट है। राजस्थान में लू चलेगी। साथ ही आंधी-बारिश का भी अलर्ट है। सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर मिजोरम, त्रिपुरा, तमिलनाडु और केरलम में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच तेज आंधी के साथ बारिश का दौर जारी है। भोपाल समेत 20 से ज्यादा जिलों में शनिवार को 30 से 50व्स्ज्प की रफ्तार से आंधी के साथ बारिश हुई। कई जगहों पर ओले भी गिरे। मौसम विभाग के अनुसार, 6 मई तक प्रदेश में ऐसा ही मौसम बना रहेगा। रविवार को 27 जिलों में बारिश का अलर्ट है। राजस्थान में रविवार को भी आंधी-बारिश होगी। जयपुर सहित आसपास के इलाकों में सुबह से तेज हवाएं चल रही हैं। बादल गरजने के साथ हल्की बारिश भी हो रही है। मौसम विभाग ने 11 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। शनिवार को जयपुर में आंधी के साथ बारिश में एक मौत हो गई। सैकड़ों की संख्या में पेड़ गिर गए। कई इलाकों में मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। उत्तराखंड के सभी जिलों में रविवार को बारिश की संभावना है। पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी का अलर्ट है। शनिवार को पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, नैनीताल, उधम सिंह नगर और देहरादून में बारिश, तेज हवाओं के साथ ओले भी गिरे। टिहरी झील में अचानक आए आंधी-तूफान के चलते फ्लोटिंग टेंट बह गए। डोबरा-चाटी झील क्षेत्र में करीब 25-30 लोग फंसगए थे,जिनका एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू किया। हरियाणा के 8 जिलों में रविवार को बारिश के साथ आंधी का अलर्ट है। इनमें महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम, नूंह, पलवल, फरीदाबाद, यमुनानगर और पंचकूला शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 4 मई से 6 मई तक पूरे हरियाणा में तेज आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। इसके कारण लू से राहत मिलने की उम्मीद है। शनिवार को हिसार 41.1डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। बिहार के 24 जिलों में रविवार को बारिश की संभावना है। इन जिलों में गरज के साथ बिजली गिरने और 50किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है। इस दौरान लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 5 मई के बाद तेज धूप निकलेगी, जिससे तापमान में बढ़ोतरी के साथ गर्मी बढ़ेगी।पंजाब के पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर सहित 8 जिलों में रविवार को गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है।मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 48 घंटों में राज्य के अधिकतम तापमान में करीब 2डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। उसके बाद तापमान में 3 से 4डिग्री तक गिरावट होगी। पंजाब के अधिकतर इलाकों में 6 मई तक बारिश के आसार हैं। इससे पहले शनिवार को बठिंडा 40.2डिग्री तापमान के साथ राज्य में सबसे गर्म शहर रहा।

चेरो बस्ती पटवध में नामांकन के लिए मोहल्ला भ्रमण, 15 बच्चों का हुआ दाखिला,30 परिवारों से संपर्क, 3 की फैमिली आईडी बनी, अभिभावकों को डीबीटी व एमडीएम की दी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ब्लॉक चोपन के चेरो बस्ती, पटवध में शुक्रवार को बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा नामांकन हेतु मोहल्ला भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान लगभग 30 परिवारों से संपर्क कर अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया। विभिन्न विद्यालयों में 15 बच्चों का नामांकन भी कराया गया। इस दौरान मौके पर 3 परिवारों की फैमिली आईडी भी जनरेट की गई। अधिकारियों ने अभिभावकों को फैमिली आईडी बनाने के फायदे बताए।खंड शिक्षा अधिकारी चोपन लोकेश कुमार मिश्रा ने अभिभावकों को बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को निःशुल्क मध्याह्न

भोजन, फल, दूध वितरण के साथ डीबीटी के माध्यम से 1200 रुपये का भुगतान किया जाता है। उन्होंने सभी अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने की अपील की। भ्रमण के दौरान पटवध के प्रधान प्रतिनिधि सूरज कुमार, एआरपी वंश दीप, ज्ञान प्रकाश, प्रशांत कुमार अवस्थी तथा पटवध, चेरो बस्ती और बिरनखाड़ी के अध्यापक एवं बच्चे उपस्थित रहे।

वाराणसी के सिगरा में 'रानीशा वाराणसी' का भव्य शुभारंभ,एक ही छत के नीचे सिल्वर फैशन, गिफ्टिंग और निवेश का भरोसेमंद विकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। शहर के सिगरा क्षेत्र स्थित आईपी सिगरा शॉपिंग मॉल

मे 'रानीशा वाराणसी (अवाना वेंचर्स की इकाई)' का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में शहर के गणमान्य नागरिकों एवं ग्राहकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता शौर्य अग्रवाल ने बताया कि 'रानीशा वाराणसी' का उद्देश्य शहरवासियों को प्रीमियम सिल्वर ज्वेलरी, आकर्षक गिफ्टिंग विकल्प और सुरक्षित निवेश के बेहतरीन अवसर एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि यह शोरूम गुणवत्ता, डिज़ाइन और विश्वास के नए मानक स्थापित करेगा। शोरूम में 92.5फीसदी शुद्धता वाली स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी उपलब्ध है, जिस पर 925 हॉलमार्क स्टैम्पिंग गुणवत्ता की गारंटी देती है। यहां आधुनिक डिजाइनों के साथ पारंपरिक शिल्पकला का उत्कृष्ट संगम देखने को मिलता है। कलेक्शन में ब्राइडल, डेली वियर, ऑक्सीडाइज्ड, कंटेम्परेरी और टेंपल ज्वेलरी के साथ पुरुषों एवं बच्चों के लिए विशेष रेंज भी शामिल है। इसके अतिरिक्त 999.9 शुद्ध सिल्वर कॉइन्स एवं निवेश उत्पाद, प्रीमियम सिल्वर बर्तन, रत्न जड़ित आभूषण तथा कॉर्पोरेट व कस्टमाइज्ड गिफ्टिंग विकल्प भी उपलब्ध हैं। त्योहारों, शादियों और विशेष अवसरों के लिए तैयार रिटर्न गिफ्ट्स और एक्सक्लूसिव कलेक्शन इस शोरूम को और खास बनाते हैं। शौर्य अग्रवाल ने कहा, 'हमारा प्रयास है कि ग्राहक यहां से न केवल आकर्षक और शुद्ध आभूषण खरीदें, बल्कि सिल्वर को एक सुरक्षित और समझदारी भरा निवेश भी मानें।'

इलाज में लापरवाही का आरोपः मैहर सिविल अस्पताल से रेफर नवजात की मौत, परिजनों ने डॉक्टर-आशा कार्यकर्ता पर लगाए गंभीर आरोप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। सिविल अस्पताल मैहर से एक बेहद संवेदनशील और चौंकाने

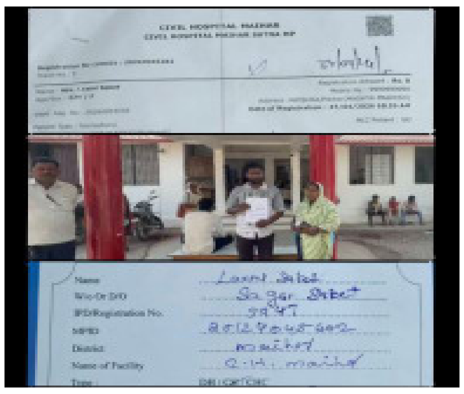

वाला मामला सामने आया है। यहां इलाज में कथित लापरवाही के चलते एक नवजात की मौत हो जाने का आरोप परिजनों ने लगाया है। घटना के बाद परिवार में आक्रोश है और उन्होंने संबंधित डॉक्टर व आशा कार्यकर्ता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। प्रसव के लिए अस्पताल लाए थे, समय पर इलाज न मिलने का आरोप जानकारी के अनुसार, वार्ड नंबर 04 पटेहरा निवासी सागर साकेत अपनी गर्भवती पत्नी को प्रसव के लिए सिविल अस्पताल मैहर लेकर पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में मौजूद डॉक्टर ने समय पर इलाज शुरू नहीं किया और मरीज की गंभीर स्थिति के बावजूद लापरवाही बरती गई। निजी क्लीनिक जाने और अवैध वसूली के आरोप-पीड़ित परिवार का कहना है कि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर मरीज को छोड़कर निजी क्लीनिक चले गए। वहीं, एक आशा कार्यकर्ता पर भी आरोप है कि उसने डॉक्टर से मिलीभगत कर ऑपरेशन के नाम पर हजारों रुपये की मांग की। परिजनों के अनुसार, पैसे न देने पर उपचार में जानबूझकर देरी की गई। स्थिति बिगड़ी, सतना रेफर–नवजात मृत घोषित जब महिला की हालत बिगड़ने लगी, तब उसे जिला अस्पताल सतना रेफर किया गया। वहां डॉक्टरों ने नवजात को मृत घोषित कर दिया। परिजनों का दावा है कि बच्चे की मौत रेफर किए जाने से पहले ही हो चुकी थी। फिलहाल महिला का इलाज जारी है और उसकी हालत नाज़ुक बताई जा रही है। पुलिस में शिकायत, जांच के बाद कार्रवाई की बात-घटना के बाद परिजनों ने थाने में लिखित शिकायत देकर डॉक्टर और आशा कार्यकर्ता के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है, और यदि लापरवाही या अवैध वसूली के आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल-इस घटना के बाद एक बार फिर सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय पर उचित इलाज मिलता, तो शायद नवजात की जान बचाई जा सकती थी।

शादी की खुशिया पल भर में मातम बन गई,जौनपुर के खेतासराय में एक दिल दहला देने वाली घटना ने झकझोर कर रख दिया है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जौनपुर। बारात

लेकर जा रहे 21 वर्षीय दूल्हे आजाद बिंद को नेशनल हाईवे पर अपाची सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने सरेआम गोली मार दी। गोली पेट और मुंह में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल ले जाते समय उनकी मृत्यु हो गई जो शादी धूमधाम से होनी थी, वो शोक में बदल गई।दुल्हन सोनी के सपने अधूरे रह गए। डीजे की जगह अब सन्नाटा है। खुशियों का माहौल पल भर में मातम बन गया।एक युवक, जिसकी जिंदगी अभी शुरू होनी थी, शादी के दिन ही इस दुनिया से चला गया। यह घटना सिर्फ एक हत्या नहीं है, बल्कि एक परिवार के सपनों का कत्ल है। हम समाज के रूप में कितने असुरक्षित हो गए हैंष्ठक्या शादी जैसे पवित्र अवसर पर भी अब कोई सुरक्षित नहीं रहा आजाद बिंद की आत्मा को शांति मिले। परिवार वालों को इस असहनीय दर्द को सहन करने की शक्ति मिले। कानून व्यवस्था की चुनौती है यह। पुलिस जल्द से जल्द दोषियों को सजा दिलाए।

तीन बार कैंसर से लड़ी, फिर पति को भी हुआ,हमने कई बार मौत को करीब से देखकर नौकरी-कारोबार छोड़ा, चरखे में सुकून तलाश लिया

रोहतक। मैं ललिता हूं और हरियाणा के रोहतक की रहने वाली हूं। कभी मेरी पहचान एक

फैशन डिजाइनर के तौर पर थी। रसूखदार परिवारों से कपड़ों के ऑर्डर मिलते थे। रंग, कपड़े, डिजाइन और ग्लैमर की दुनिया में मेरी पहचान थी। मेरे पति अपना बिजनेस संभालते थे। जिंदगी आराम से गुजर रही थी और पैसों की भी कोई कमी नहीं थी। मुझे लगता था कि जिंदगी ने मुझे सब कुछ दे दिया है, लेकिन सिर्फ 15 साल की उम्र में मुझे दो बार टीबी हुई। बड़ी मुश्किल से उससे उबरी, लेकिन असली लड़ाई अभी बाकी थी। आगे चलकर कैंसर ने मुझे तीन बार अपनी चपेट में लिया और एक बार मेरे पति को भी। साल 1995। मेरी उम्र थी 19 साल। दिल्ली में पढ़ाई कर रही थी, तभी एक दिन ब्रेस्ट में तेज दर्द उठा। पहले लगा नॉर्मल समस्या होगी, लेकिन दर्द बढ़ता गया। घबराकर मैंने पापा को बताया और उन्होंने तुरंत मुझे रोहतक बुला लिया। जांच में डॉक्टरों ने बताया कि ब्रेस्ट में गांठ है। उस दौर में मैमोग्राफी जैसी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध नहीं थीं। डॉक्टरों ने ऑपरेशन की सलाह दी। 19 साल की उम्र में पहली बार ऑपरेशन थिएटर के बाहर खड़ी मैं डर से कांप रही थी, लेकिन सर्जरी सफल रही और गांठ निकाल दी गई। मेरे ऑपरेशन के जख्म अभी भरे भी नहीं थे कि घर पर एक और तूफान आ गया। पिता को लिवर कैंसर होने का पता चला। वह रिटायर्ड अफसर थे, मजबूत इंसान थे, लेकिन कुछ ही महीनों में बीमारी ने उन्हें मुझसे छीन लिया। पिता मेरे लिए पैसा और प्रॉपर्टी छोड़ गए थे, इसलिए भविष्य की चिंता नहीं थी, लेकिन जिस इंसान के भरोसे मैं खड़ी थी, वही चला गया। मां से मुझे कभी वह अपनापन नहीं मिला। बचपन से घर में काम करने वाली अम्मा ने मुझे पाला, जिन्हें मैं आज भी 'हंसो मां' कहती हूं। पापा के जाने के बाद खुद को संभालना मेरी जिंदगी की सबसे मुश्किल लड़ाइयों में से एक था। 1997 में मैंने सोचा था कि जिंदगी फिर पटरी पर लौट रही है। मैं पढ़ाई के लिए दोबारा दिल्ली आ गई थी, लेकिन तभी नाभी के पास तेज दर्द शुरू हुआ। जांच में पता चला कि मुझे बार्थोलिन ग्लैंड कैंसर है, जो वजाइना के हिस्से में होता है। दूसरी बार 'कैंसर' शब्द सुनते ही मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई।

पापा अब इस दुनिया में नहीं थे और मां ने साफ कह दिया- 'मैं ऑपरेशन के लिए नहीं आऊंगी।' यह सुनकर मुझे दुख कम, खालीपन ज्यादा महसूस हुआ। आखिर में मैंने दोस्तों को सब बताया। वही मेरे परिवार की तरह खड़े रहे। उन्होंने अस्पताल के चक्कर लगाए, हिम्मत दी और सर्जरी करवाई। लगा कि लड़ाई खत्म हो गई... लेकिन सिर्फ छह महीने बाद उसी जगह फिर दर्द शुरू हो गया, जहां कैंसर का

ऑपरेशन हुआ था। जैसे ही लगा कि जिंदगी फिर सामान्य हो रही है, डॉक्टरों ने बताया कि बार्थोलिन ग्लैंड में कैंसर दोबारा लौट आया है। मुझे फिर ऑपरेशन थिएटर में जाना पड़ा। सर्जरी हुई। धीरे-धीरे संभल रही थी कि छह महीने के भीतर मेरी तबीयत फिर बिगड़ गई। जांच रिपोर्ट ने एक और झटका दिया- इस बार कैंसर फैलोपियन ट्यूब के हिस्से तक पहुंच चुका था। इलाज लंबा, दर्दनाक और थका देने वाला था, लेकिन डॉक्टर किसी तरह मेरी फैलोपियन ट्यूब बचाने में कामयाब रहे। मैं बार-बार कैंसर को हराने की कोशिश कर रही थी, लेकिन हर अस्पताल के कमरे में मुझे पापा की गैरमौजूदगी सबसे ज्यादा चुभती थी। कैंसर की लंबी लड़ाई लड़कर जब घर लौटी, तो घर में मां रोज शादी के लिए दबाव बनाने लगीं। मैं मानसिक रूप से इतनी थक चुकी थी कि बस उस माहौल से बाहर निकलना चाहती थी। तब मेरी उम्र 28 साल थी। एक जाट लड़के को पसंद करती थी। मैंने उससे शादी करने का फैसला कर लिया। उसे और उसके परिवार को साफ बता दिया था कि मैं कैंसर सर्वाइवर हूं।

मुझे लगा था कैंसर सर्वाइवर होना उनके लिए सबसे बड़ा सवाल होगा, लेकिन उन्हें मेरे कैंसर से नहीं, मेरी उम्र से परेशानी थी- मैं उनके बेटे से पांच साल बड़ी थी। आखिरकार शादी हो गई। लेकिन ससुराल पहुंचते ही एक नई लड़ाई शुरू हो गई। मुझसे घूंघट करने को कहा जाता, हर बात पर रोक-टोक होती। हॉस्टल में पली मेरी आजाद जिंदगी अचानक परंपराओं के घेरे में कैद की जाने लगी। घूंघट न करने पर अक्सर झगड़े होते। आखिरकार रोज के तनाव से तंग आकर मैं पति के साथ अलग रहने लगी। किराए के छोटे से घर में नई शुरुआत की और फैशन डिजाइनिंग सीखी। मैंने बीएएमएस की पढ़ाई की थी। इसलिए शौक में आयुर्वेद की प्रैक्टिस करती थी और साथ ही कपड़े डिजाइन कर अच्छी कमाई भी हो रही थी। शादी को छह साल हो चुके थे और हमारा एक साल का बेटा था।जिंदगी आखिरकार सामान्य लगने लगी थी। फिर एक दिन सब बदल गया। मैं रोहतक से बाहर थी, तभी पति का फोन आया- 'मेरा मुंह खुलना बंद हो गया है, डॉक्टर के पास जा रहा हूं।' मैं घबरा गई। तुरंत वापस लौटी और उन्हें अस्पताल लेकर गई। जांच में पता चला कि उन्हें गले का कैंसर है। पति एक महीने तक अस्पताल में भर्ती रहे। 45 बार कीमोथेरेपी हुई। पैसों की कमी नहीं थी, लेकिन अपनों का साथ नहीं था। मेरी सास अपने बेटे को देखने तक नहीं आईं। उनकी सर्जरी 12 घंटे चली- सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक। बाहर मैं एक साल के बच्चे को गोद में लेकर बैठी थी और अंदर पति जिंदगी की लड़ाई लड़ रहे थे। तीन महीने बाद उनकी हालत सुधरने लगी। उन दिनों मैं अपनी आयुर्वेद की पढ़ाई के भरोसे जड़ी-बूटियों का काढ़ा बनाती थी, जिससे उनकी रिकवरी में सहारा मिला। पति के ठीक होने के बाद भी हमारे भीतर का डर खत्म नहीं हुआ। हम दोनों मौत को इतने करीब से देख चुके थे कि पैसा, बिजनेस और भाग-दौड़ अचानक बहुत छोटे लगने लगे। हमने तय किया- अब जिंदगी सिर्फ कमाने के लिए नहीं, सुकून से जीने के लिए होगी। मेरे पति ने अपना एग्रीकल्चर प्रोडक्ट बिजनेस छोड़ दिया। मैं फैशन डिजाइनिंग कर रही थी, लेकिन जिंदगी मुझे एक बिल्कुल नए रास्ते की ओर ले जा रही थी। एक दिन मुझे रेडियो के टॉक शो में बुलाया गया। वहां डायरेक्टर ने एक कपड़ा मेरी तरफ बढ़ाया और पूछा- बताओ, यह किस धागे से बना है? मैं जवाब नहीं दे पाई। उन्होंने कहा- तुम फैशन डिजाइनर हो और इसे नहीं पहचानतीं? यह रेजा कपास है। उनकी बात मेरे दिल पर लग गई। मैंने तुरंत कहा- मुझे 15 दिन दीजिए, मैं इसके बारे में सब जानकर लौटूंगी। मैंने इंटरनेट खंगाला, लोगों से पूछा, रिकॉर्ड ढूंढ़े- लेकिन कुछ नहीं मिला। आखिरकार पुरानी किताबों में इसका जिक्र मिला। कबीरदास और गरीबदास की रचनाओं में रेजा कपास पर बातें मिलीं, जिसे पढ़कर लगा कि मैं किसी भूली हुई विरासत के पीछे चल पड़ी हूं। रेजा सूत की कहानी ने मुझे भीतर तक बेचैन कर दिया। मैंने तय किया कि सिर्फ इसके बारे में पढ़ना नहीं, इसे अपने हाथों से समझना है। हरियाणा में एक पुराने मुस्लिम परिवार का पता चला, जो पीढ़ियों से चरखा चलाना सिखाता था। मैं उनके पास गई, चरखा सीखा और फिर एक चरखा अपने घर लेकर आई। मैंने अपने पति को भी यह सिखाया।

हैरानी की बात यह थी कि जिस मन ने सालों तक अस्पताल, कैंसर और मौत का डर झेला था, उसे चरखे की आवाज में शांति मिलने लगी। धीरे-धीरे चरखा हमारे लिए सिर्फ हुनर नहीं, मानसिक इलाज जैसा बन गया। फिर मुझे लगा कि अगर इसने हमें सुकून दिया है, तो शायद उन लोगों को भी दे सकता है, जिनकी जिंदगी दुखों से भरी है। मैं जेलों में गई और कैदियों को चरखा सिखाना शुरू किया। उनके हाथों से निकला सूत कपड़ों में बदलता और उन्हें यह एहसास देता कि वे अब भी किसी काम के हैं। बाद में हमने हैंडलूम की मशीन पर धागों को कातना शुरू किया। अब तक मेरी सोच नहीं बदली थी। मेरा काम भी बदल गया था। मैंने हरियाणा में 1970 में खत्म हो चुकी रेजा कपास की खेती को फिर से जिंदा करने की ठानी। बड़ी मशक्कत से इसके बीज खोज पाई।आज मैं किसानों को रेजा कपास का बीज देती हूं और उनसे इसकी खेती करवाती हूं। उसी कपास से खादी के कपड़े बनाती हूं। उन कपड़ों पर डिजाइन खुद तैयार करती हूं। आज ये कपड़े देश ही नहीं, विदेशों तक पहुंच रहे हैं। मेरी जानकारी में पूरे भारत में सिर्फ मैं ही रेजा कपास से डिजाइनर कपड़े बना रही हूं।लेकिन मेरी असली कमाई कपड़े नहीं। यह धागा है। जब यह घूमता है, तो मेरे भीतर का शोर धीमा पड़ जाता है। हर धागे के साथ लगता है कि मैं अपने टूटे हिस्सों को फिर से जोड़ रही हूं। हमने जिंदगी बहुत तेज भागकर जी थी- बीमारी, पैसा, बिजनेस, अस्पतालष्ठ सब देखा। अब हमने धीरे जीना सीखा है।आज भी मेरे पास घर, पैसा और सुविधाएं हैं, लेकिन सबसे बड़ी दौलत शांति है। पहले मैं सिर्फ कपड़े बुनती थी, अब अपनी जिंदगी को फिर से बुन रही हूं।

मुनव्वर फारूकी की पत्नी महजबीन ने बेटी को जन्म दिया,कॉमेडियन ने इंस्टाग्राम पर दी जानकारी,कई सेलेब्स ने बधाई दी

मुंबई। टीवी शो बिग बॉस 17 के विनर मुनव्वर फारूकी और उनकी

पत्नी महजबीन को एक बेटी हुई है। यह जानकारी मुनव्वर ने सोशल मीडिया पर शेयर की।मुनव्वर ने शुक्रवार को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पत्नी और नवजात बेटी की तस्वीरें शेयर कीं। हालांकि, उन्होंने तस्वीरों में चेहरों को पब्लिक नहीं किया। पोस्ट के साथ मुनव्वर ने लिखा, 'घर में बरकत आई। धन्य महसूस कर रहा हूं। अल्हम्दुलिल्लाह। दुआओं में खास याद रखना!' जैसे ही यह पोस्ट सामने आई, कई सेलेब्स ने कपल को बधाई दी। वरुण धवन, जन्नत जुबैर, मिस्टर फैजू, रीम शेख और अली गोनी ने शुभकामनाएं दीं। मुनव्वर ने मई 2024 में मेकअप आर्टिस्ट महजबीन कोटवाला से शादी की थी। यह उनकी दूसरी शादी थी, जिसे प्राइवेट रखा गया था और उस समय ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की थी। फराह खान के व्लॉग में मुनव्वर ने अपनी दूसरी शादी के फैसले पर बात करते हुए कहा था कि यह कदम उन्होंने अपने बेटे मिखाइल के लिए उठाया था। उनके अनुसार, बेटे के साथ समय बिताने के बाद उन्होंने जिम्मेदार पिता बनने का फैसला लिया। मुनव्वर ने यह भी बताया था कि महजबीन की एक 10 साल की बेटी है और दोनों का इमोशनल कनेक्शन जल्दी हो गया था। उन्होंने मिलने के अगले दिन ही शादी के लिए प्रपोज कर दिया था।मुनव्वर की पहली शादी साल 2017 में जैस्मिन नाम की महिला से हुई थी। यह एक अरेंज मैरिज थी। इस शादी से मुनव्वर को एक बेटा मिखाइल है। उनकी शादी लगभग 5 साल तक चली और 2022 में दोनों का आधिकारिक रूप से तलाक हो गया। वर्कफ्रंट की बात करें तो मुनव्वर ने आखिरी बार सोनाली बेंद्रे के साथ शो 'पति, पत्नी और पंगा' होस्ट किया था।

धुरंधर 2 बनी दूसरी सबसे बड़ी भारतीय फिल्म,मूवी ने बाहुबली 2 को पीछे भी छोड़ा-अब सिर्फ कलेक्शन में दंगल आगे

मुंबई। धुरंधर 2 दुनियाभर में दूसरी सबसे ज्यादा कमाई

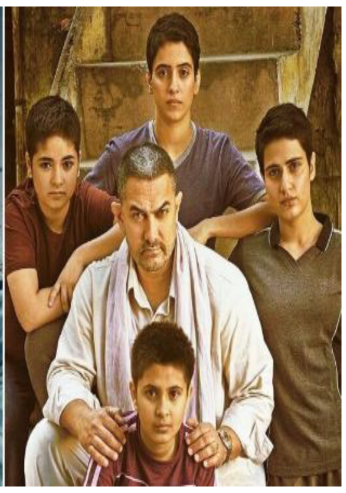

करने वाली भारतीय फिल्म बन गई। फिल्म की दुनियाभर में कमाई 1,788.32 करोड़ रुपए हो गई।धुरंधर 2 ने बाहुबली 2 को पीछे छोड़ दिया, जिसने 1,788.06 करोड़ रुपए कमाए थे। अब यह सिर्फ दंगल (रु2070 करोड़) से पीछे है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के 45वें दिन भारत में रु2.77 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। फिल्म का कुल भारत नेट कलेक्शन अब 1,138.54 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन 1,362.57 करोड़ रुपए हो गया। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होती है। ओवरसीज में फिल्म का कुल कलेक्शन अब 425.75 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। वहीं, फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 1,788.32 करोड़ रुपए हो चुका है। धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ। विदेशी बाजारों में भी फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ओवरसीज में इसने करीब 299.5 करोड़ रुपए कमाए। अमेरिका और कनाडा में 193.06 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर बाहुबली 2 का रिकॉर्ड भी तोड़ा।

घायल फैन का प्रीति जिंटा ने पूछा हालचाल,अस्पताल के बाद किया वीडियो कॉल,प्रियांश आर्य के शॉट से लगी थी चोट

मुंबई। प्रियांश आर्य के छक्के से घायल हुए बुजुर्ग फैन कृष्णचंद को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद टीम की को-ओनर प्रीति जिंटा ने वीडियो कॉल पर उनसे बात की और उनका हालचाल पूछा। इस बातचीत का वीडियो पंजाब किंग्स के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर शेयर किया, साथ ही लिखा, फैंस हमेशा पहले आते हैं। कृष्ण चंद जी के जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। उन्हें बेहतर होते देखकर खुशी हुई।बता दें कि यह घटना मंगलवार को पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गए मैच के दौरान हुई थी। मैच में प्रियांश आर्य के बल्ले से निकला एक ऊंचा शॉट सीधे स्टैंड्स में जाकर गिरा, जहां मौजूद बुजुर्ग फैन कृष्णचंद के चेहरे पर गेंद लग गई। घटना के तुरंत बाद उनका चेहरा लहूलुहान हो गया। आसपास बैठे दर्शकों ने तुरंत मदद की और उन्हें पास के अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के बाद अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। घटना के बाद प्रीति जिंटा और खिलाड़ी प्रियांश आर्य ने वीडियो कॉल के जरिए कृष्णचंद से बातचीत की। इस दौरान प्रियांश ने कहा कि उन्हें टेंशन हो गई थी कि कृष्णचंद जी को ज्यादा चोट तो नहीं लगी। इस पर प्रीति ने कहा कि उन्होंने भी चिंता की थी। धर्मशाला में मैच देखने के लिए बुलाया-वीडियो कॉल के दौरान प्रीति जिंटा ने उन्हें धर्मशाला में होने वाले अगले मैच के लिए इनवाइट किया।

कहानी कंगना की-आदित्य पंचोली के डर से बिल्डिंग से कूदीं,चंबल में डाकुओं के गन पॉइंट पर आईं, 4 नेशनल अवॉर्ड जीतकर बनाया रिकॉर्ड

मुंबई। साल था 2005 का जब 18-19 साल की लड़की, मुंबई में हीरोइन बनने का सपना लेकर आई थी, ऑडिशन के जरिए काम ढूंढ रही थी। एक दिन, जब वो कॉफी के एक एड के लिए गई, तब कुछ लड़कियां फिल्म गैंगस्टर के ऑडिशन के लिए महेश भट्ट के ऑफिस जा रही थीं। वो भी उनके साथ चली गई और ऑडिशन दे दिया। पहले तो उसे वो रोल नहीं मिला, लेकिन जब चुनी गई एक्ट्रेस से संपर्क नहीं हो पाया, तो उसे मेकर्स का अचानक फोन आया और पूछा, 'पासपोर्ट है? अगर नहीं है, तो एक हफ्ते में बनवा लो, फिल्म मिल सकती है।' इसके बाद उसे फिल्म मिली और उसकी फिल्म गैंगस्टर सुपरहिट साबित हुई और वो रातों-रात स्टार बन गई। हम बात कर रहे हैं कंगना रनोट की।आज वही कंगना 40 साल की हो चुकी हैं। उनके जन्मदिन के खास मौके पर जानिए उनकी जिद, संघर्ष और कामयाबी के दिलचस्प किस्से- माता-पिता डॉक्टर बनाना चाहते थे -कंगना का जन्म 23 मार्च 1986 को हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के भांबला (अब सूरजपुर) में एक राजपूत परिवार में हुआ। उनकी मां आशा रनोट एक स्कूल टीचर हैं, जबकि पिता अमरदीप रनोट एक बिजनेसमैन हैं। संयुक्त परिवार में पली-बढ़ीं कंगना बचपन से ही जिद्दी और विद्रोही स्वभाव की थीं और समाज में लड़कियों के प्रति भेदभाव पर सवाल उठाती थीं।कंगना के माता-पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे और उन्होंने चंडीगढ़ के डीएवी स्कूल में मेडिकल की पढ़ाई भी शुरू की थी। हालांकि, 12वीं में केमिस्ट्री के टेस्ट में फेल होने और मॉडलिंग/एक्टिंग में रुचि के कारण उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी। अचार और ब्रेड पर भी किया गुजारा-महज 16 साल की उम्र में कंगना अपनी खुद की पहचान बनाने की तलाश में दिल्ली आ गईं। यहां उन्होंने मॉडलिंग से शुरुआत की, फिर एक्टिंग की ओर रुख किया और अस्मिता थिएटर ग्रुप में डायरेक्टर अरविंद गौर के मार्गदर्शन में एक्टिंग सीखी और नाटकों में हिस्सा लिया। फिर अरविंद गौर की ही सलाह पर फिल्मों में किस्मत आजमाने के लिए कंगना मुंबई पहुंच गईं। मुंबई पहुंचने के बाद कंगना को कई बार केवल ब्रेड और अचार खाकर दिन गुजारने पड़े। 'गैंगस्टर' में रोल पहले चित्रांगदा को मिला था साल 2006 में कंगना ने फिल्म गैंगस्टर से बॉलीवुड में कदम रखा था। पहली फिल्म गैंगस्टर मिलने को लेकर कंगना ने टीवी शो 'आप की अदालत' में बताया था कि एक दिन वह कॉफी के एक एड का ऑडिशन देने गई थीं, तभी उन्होंने देखा कि कुछ लड़कियां महेश भट्ट के ऑफिस फिल्म गैंगस्टर के ऑडिशन के लिए जा रही हैं। जिसके बाद कंगना भी

ऑडिशन देने के लिए चली गईं। ऑडिशन के बाद फिल्म के मेकर्स ने उन्हें बुलाया कंगना की तारीफ तो की, लेकिन कहा कि वह इस रोल के लिए काफी छोटी हैं, क्योंकि किरदार एक बच्चे की मां का था। इसके बाद उस वक्त इस रोल के लिए एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह को सेलेक्ट कर लिया गया।लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। शूटिंग से ठीक एक हफ्ते पहले अचानक कुछ पर्सनल वजहों से चित्रांगदा ने मेकर्स का फोन उठाना बंद कर दिया। इसके बाद कंगना को फोन आया और पूछा गया कि क्या उनके पास पासपोर्ट है? कंगना के पास पासपोर्ट नहीं था, लेकिन उन्हें कहा गया कि एक हफ्ते में बनवा लो, तो उन्हें फिल्म मिल सकती है। इसके बाद कंगना ने अपने पिता की मदद से सिर्फ 2 दिन में पासपोर्ट बनवाया और इस तरह उन्हें यह फिल्म मिली। इस फिल्म में उनके एक्टिंग को काफी सराहा गया और उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू मिला। फैशन के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड मिला- गैंगस्टर के बाद कंगना ने वो लम्हे और लाइफ इन ए मेट्रो जैसी फिल्मों में इमोशनल और मुश्किल किरदार निभाकर अपनी पहचान मजबूत की।साल 2008 में आई फिल्म फैशन उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के लिए पहला नेशनल अवार्ड मिला।इसके बाद साल 2009 से 2012 के बीच कंगना के करियर में उतार-चढ़ाव आए। 2009 में उन्होंने फिल्म राजः द मिस्ट्री कंटिन्यूज़ में एक मॉडल की भूमिका निभाई, जो हिट रही, लेकिन उन्हें एक जैसे रोल मिलने लगे। उसी साल आई फिल्म वादा रहा और एक निरंजन ने खास प्रदर्शन नहीं किया। 2010 में फिल्म काइट्स में उनका छोटा सा रोल था। हालांकि, फिल्म वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई में उनके काम की तारीफ हुई। बाद की फिल्में नॉक आउट और नो प्रॉब्लम उनके करियर को ज्यादा आगे नहीं ले जा सकीं। लेकिन फिर 2011 में आई फिल्म तनु वेड्स मनु ने उनकी इमेज बदल दी और दर्शकों ने उनके कॉमिक अंदाज को भी खूब पसंद किया। 2013 में कृष 3 जैसी सुपरहिट फिल्म के बाद कंगना ने 2014 में क्वीन से अपने करियर को नई ऊंचाई दी। इस फिल्म में एक साधारण लड़की के आत्मनिर्भर बनने की कहानी ने दर्शकों का दिल जीत लिया और उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला।इसके बाद तनु वेड्स मनु रिटर्न्स (2015) में डबल रोल निभाकर उन्होंने लगातार दूसरा नेशनल अवॉर्ड जीता। आगे चलकर फिल्म मणिकर्णिकाः द क्वीन ऑफ झांसी और पंगा के लिए उन्हें चौथा राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। बता दें कि कंगना किसी महिला कलाकार द्वारा जीते गए नेशनल अवॉर्ड्स की संख्या में दूसरे स्थान पर हैं। शबाना आजमी पहले स्थान पर हैं, जिन्हें 5 नेशनल अवॉर्ड मिले हैं।कंगना फिल्मों के अलावा अपने बयानों और विवादों के कारण भी खबरों में रही हैं। उन्होंने बॉलीवुड एक्टर आदित्य पंचोली पर शारीरिक, मानसिक और यौन शोषण के कई गंभीर आरोप लगाए थे। एक्ट्रेस ने 2017 में टीवी शो 'आप की अदालत' में आरोप लगाया था कि आदित्य पंचोली ने उनके साथ मारपीट की और उन्हें लंबे समय तक घर में बंद करके रखा। कंगना ने कहा था कि वह लगातार डर के माहौल में जी रही थीं और अक्सर वहां से भागने की कोशिश करती थीं। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा था कि पंचोली ने उनके घर की डुप्लीकेट चाबी बनवा ली थी और बिना इजाजत वहां आ जाते थे। एक बार हालात इतने बिगड़ गए कि कंगना को अपनी जान बचाने के लिए पहली मंजिल से कूदकर भागना पड़ा। उन्होंने बताया कि वह नंगे पैर भागते हुए सड़क पर निकलीं और रिक्शा लेकर किसी तरह वहां से बच निकलीं, लेकिन इस दौरान उन्हें चोटें भी आईं।कंगना ने यह भी कहा था कि भागने के बाद भी उनका पीछा नहीं छोड़ा गया। उन्होंने बताया कि अगली सुबह जब उनके घर की घंटी बजी और उन्होंने दरवाजे के की-होल से देखा, तो सामने आदित्य पंचोली खड़े थे, जिससे वह बचकर निकली थीं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।